अब बेव पर भी www.rashtriyaprastavana.com
उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र
आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 28 लखनऊ, शुक्रवार, 08 अगस्त 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

धराली आपदा : हर्षिल और गंगोत्री क्षेत्र से 274 यात्रियों का रेस्क्यू

देहरादून। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद के धराली आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तीव्र और सुरक्षित रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। चिनूक हेलीकॉप्टर के आज उड़ान भरने से रेस्क्यू कार्य में तेजी आई है। अब तक 274 लोगों को रेस्क्यू कर गंगोत्री क्षेत्र से हर्षिल लाया गया है। आपदा प्रबंधन के सचिव विनोद सुमन के मुताबिक अब तक 274 लोगों को गंगोत्री और आसपास के क्षेत्रों से हर्षिल लाया गया है। इनमें विभिन्न राज्यों से आए हुए तीर्थयात्री भी शामिल हैं। इनमें गुजरात के 131 और महाराष्ट्र के 123, मध्य प्रदेश के 21, उत्तर प्रदेश के 12, राजस्थान के 6, दिल्ली के 7, असम के 5, कर्नाटक के 5, तेलंगाना के 3 और पंजाब का एक यात्री शामिल हैं। इन सभी यात्रियों को हर्षिल से उत्तरकाशी और देहरादून लाने की प्रक्रिया निरंतर जारी है।

चुनाव आयोग का निष्पक्ष होना जरूरी : राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर वोटों की चोरी करवा रहा है और जब तक आयोग निष्पक्ष नहीं है तब तक इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन-ईवीएम या मैनुअली चुनाव कराने से कुछ नहीं होगा। श्री गांधी ने यहां पार्टी के नये मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र में सबसे पहले चुनाव आयोग का निष्पक्ष होना आवश्यक है। अगर चुनाव आयोग निष्पक्ष काम करे और चुनाव मैनुअली किया जाए, तब कुछ हो सकता है। लेकिन यहां तो अम्पायर यानी चुनाव आयोग ही दूसरी टीम का है इसलिए कुछ भी कर लीजिए कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए कार्यक्रम अधिसूचित

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना गुरुवार को जारी की। आयोग चुनाव कार्यक्रम पहले ही घोषित कर चुका है। इसके तहत नामांकन की अंतिम तिथि 21 अगस्त निर्धारित की गयी है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी और नाम 25 अगस्त तक वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मतदान नौ सितंबर को दिन में 10 से पांच बजे तक कराया जाएगा और उसी दिन मतों की गिनती की जाएगी। इस चुनाव के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव अधिकारी बनाया गया है। राज्यसभा सचिवालय में संयुक्त सचिव गरिमा जैन और निदेशक विजय कुमार सहायक रिटर्निंग अधिकारी बनाये गये हैं।

विरासत को विस्मृत कर कोई भी आगे नहीं बढ़ सकता : योगी

योगी ने संभल में 659 करोड़ की 222 विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास और लोकार्पण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सपा-कांग्रेस करती हैं वोट की राजनीति, डबल इंजन करता है विकास : योगी

संभल। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को जनपद संभल के दौरे पर पहुंचे और जिले को 659 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने 222 विकास परियोजनाओं की सौगात दी जिनमें 109 कार्यों का शिलान्यास और 113 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इसके साथ ही उन्होंने संभल में उत्खनन के दौरान प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों का निरीक्षण किया।

मुख्यमंत्री योगी ने यहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विरासत को विस्मृत कर कोई भी आगे नहीं बढ़ सकता। यही याद दिलाने के लिए संभल आया हूं। उन्होंने सपा और कांग्रेस पार्टियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हत्या करवाती थी और कांग्रेस उनकी करतूतों को ढकने का कार्य करती थी। वे वोट की राजनीति करते थे। हम विकासवादी राजनीति करने आए हैं। मकान के लिए पैसा नहीं मिलता था। बेटियां स्कूल छोड़ने को मजबूर होती थीं। स्कूलों में शौचालय और पेयजल की व्यवस्था नहीं थी। आज स्कूलों में शौचालय, पेयजल समेत अन्य सुविधाएं हैं। स्मार्ट क्लास भी है। पिछली सरकार एक जिला-एक माफिया देती थी। हमारी सरकार एक जिला- एक उत्पाद की योजना देकर जिले का विकास कर रही है। डबल इंजन की सरकार आज गरीब की बेटी को शिक्षा दे रही है। साथ ही उसकी शादी के लिए एक लाख रुपये भी दे रही है।

सीएम योगी ने कहा कि पिछली सरकार में दंगे होते थे, अराजकता फैलती थी, न बेटी सुरक्षित थी और न व्यापारी सुरक्षित था। आज यूपी में बेटी और व्यापारी सुरक्षित है लेकिन दंगाई और माफिया सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि आज कई उपहार संभल को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नौ अगस्त को रक्षाबंधन है। 16 को जन्माष्टमी है। इसी धरती पर कल्कि भगवान आने वाले हैं। इसी संकल्प के साथ हमें आगे बढ़ना है। हमें दंगाइयों से लड़ने का साहस के साथ आगे बढ़ना है। जिन लोगों ने संभल को दंगों की भेंट चढ़ाने का कार्य किया, उन्हें उसकी कीमत चुकानी ही होगी। इससे पहले पुलिस लाइन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के हाथों में बच्चियों ने राखी बांधी। मुख्यमंत्री ने उन्हें उपहार स्वरूप चाकलेट भेंट किया।

संभल की जनता को मुख्यमंत्री योगी ने आज 659 करोड़ रुपये की 222 परियोजनाओं की सौगात दी। इसमें 109 कार्यों का शिलान्यास और 113 कार्यों के लोकार्पण शामिल हैं, जिसमें शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, पेयजल, सड़कें, आंगनवाड़ी केंद्र और कम्पोजिट विद्यालयों की सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने संभल में जिलाधिकारी कार्यालय और एकीकृत आवासीय भवनों का विधि-विधान से शिलान्यास किया। इसके साथ ही कार्यक्रम सीएम ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, मकान की चाबी, प्रमाणपत्र व किट वितरित की। मुख्यमंत्री ने नवजात बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराने के साथ कार्यक्रम स्थल पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। उन्होंने संभल में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के साथ ही संभल संवाद ऐप का उद्घाटन भी किया। इस दौरान सीएम के सम्मुख करीब 30 मिनट का संभल कल्कि तीर्थ विजन डॉक्यूमेंट का प्रजेंटेशन भी किया गया।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, नागरिक सुरक्षा राज्यमंत्री धर्मवीर प्रजापति, कृषि शिक्षा राज्यमंत्री सरदार बलदेव सिंह औलख, प्रदेश उपाध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य सतपाल सिंह सैनी, भाजपा पश्चिम क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया, ब्रज क्षेत्र के क्षेत्रीय दुर्विजय सिंह शाक्य, भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, जिला प्रभारी हेमंत राजपूत, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, एमएलसी जयपाल सिंह व्यस्त व हरि सिंह ढिल्लो आदि भाजपा नेता, जनप्रतिनिधि व पुलिस प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा से मणिपुर माल एवं सेवाकर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर बजट पास

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने गुरुवार को भारी हंगामे के बीच मणिपुर सरकार को जीएसटी एकत्र करने में सक्षम बनाने के लिए मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025 और मणिपुर बजट पारित कर दिया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह विधेयक उस अध्यादेश का स्थान लेगा, जो राज्य में राष्ट्रपति शासन के कारण लाया गया था। उन्होंने कहा कि ये विधियेक मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 में संशोधन करता है। लोकसभा ने मणिपुर विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2025 को भी अपनी मंजूरी दे दी है। ये विधेयक वित्त वर्ष 2025-26 की सेवाओं के लिए मणिपुर राज्य की संचित निधि से कुछ राशियों के भुगतान और विनियोग को अधिकृत करता है। इस पर चर्चा के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत सरकार दो हजार 898 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बजटीय परिव्यय प्रदान करेगी, जिसमें से एक हजार 667 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय होंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य की बेहतरी और विकास के लिए अतिरिक्त धनराशि आवश्यक है। उन्होंने इस विधेयक को पेश करते समय सदन को बताया कि शिविरों में रह रहे लोगों के पुनर्वास के लिए 523 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। मणिपुर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए 542 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। उ-?होंने सदन की कार्यवाही बाधित करने के लिए विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि विपक्ष मणिपुर के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहा है और सदन में बजट पर चर्चा नहीं होने दे रहा है। लोकसभा ने विपक्ष के शोरगुल के बीच दोनों विधेयक को बिना चर्चा के पारित कर दिए।

किसानों का हित भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता : प्रधानमंत्री

- भारत अपने किसानों, पशुपालकों, मछुआरों के हित के साथ कभी समझौता नहीं करेगा : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसानों, मछुआरों और पशुपालकों का हित भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इन वर्गों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वे व्यक्तिगत रूप से कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत अपने अन्नदाताओं के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी आज नई दिल्ली स्थित आईसीएआर पूसा में आयोजित ''एम.एस. स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन'' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भारत में कृषि क्षेत्र को आत्मनिर्भर और टिकाऊ बनाने की दिशा में प्रोफ़ेसर स्वामीनाथन के योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन ने यह दिखाया कि विज्ञान केवल खोज नहीं बल्कि वितरण का भी माध्यम होना चाहिए। उन्होंने अपने शोध के माध्यम से किसानों को खेती के आधुनिक तरीकों के लिए प्रेरित किया। उनके विचार आज भी हमारी नीतियों और कृषि विज्ञान में परिलक्षित होते हैं।

मोदी ने कहा कि हरित क्रांति के जनक माने जाने वाले डॉ. स्वामीनाथन का योगदान केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने बायोडायवर्सिटी और बायो-हैप्पीनेस जैसे विचारों के माध्यम से स्थानीय समुदायों को भी सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि डॉ. स्वामीनाथन मानते थे कि बायोडायवर्सिटी के जरिए स्थानीय लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि डॉ. स्वामीनाथन की स्मृति में ल्लएमएस स्वामीनाथन अवॉर्ड फॉर फूड एंड पीसङ्क की शुरुआत की गई है, जो विकासशील देशों के उन वैज्ञानिकों को दिया जाएगा जिन्होंने खाद्य सुरक्षा की दिशा में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस पुरस्कार के पहले विजेता नाइजीरिया के प्रोफ़ेसर बने हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आज चावल, गेहूं, कपास, सब्जियां और मछली उत्पादन में दुनिया में शीर्ष स्थानों पर है। उन्होंने कहा, ल्लसोयाबीन, मूंगफली और सरसों जैसी फसलों का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है।

योगी कैबिनेट की कई अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में गुरुवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में 19 अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी है। राज्य में निजी क्षेत्र के दो विश्वविद्यालयों, तिरंगा यात्रा के लिए वित्तीय व्यवस्था समेत अन्य प्रस्ताव शामिल हैं। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय और एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने फैसलों के बारे में जानकारी दी। योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के अन्तर्गत जनपद-मुजफ्फरनगर में वेदान्ता विश्वविद्यालय, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश की स्थापना के प्रस्ताव हेतु प्रायोजक संस्था को आशय-पत्र निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में प्रस्ताव पास हुआ। उत्तर प्रदेश में निजी क्षेत्र के अन्तर्गत के0डी0 विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश की स्थापना के सम्बन्ध में आए प्रस्ताव को कैबिनेट ने हरी झण्डी दी है। इसके अलावा दूसरो बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश की स्थापना के सम्बन्ध में प्रस्ताव पर मुहर लगी है। उच्च शिक्षा से जुड़े एक और प्रस्ताव भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी विवनिंग उत्तर प्रदेश राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना को संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया है। वित्त विभाग से उत्तर प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबन्ध अधिनियम (यथा संशोचित), 2004 में संशोधन प्रस्ताव पास हुआ। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण (जीनोठा) में भूमि अर्जन एवं परिसम्पत्तियों के आवंटन पर प्रतिवेदन उत्तर प्रदेश सरकार वर्ष 2023 का प्रतिवेदन संख्या-4 को विधान मण्डल के समक्ष प्रस्तुत करने से पूर्व राज्यपाल की अनुमति अनुज्ञा प्राप्त करना। छठा राज्य वित्त आयोग (पंचायती राज और स्थानीय निकाय), उत्तर प्रदेश की अन्तरिम रिपोर्ट (वर्ष 2025-26 व 2026-27 के लिये) व राज्य सरकार की कार्यवाही ज्ञापन (ए.टी. आर.) को माननीय विधान मण्डल के समक्ष प्रस्तुत करना।

उत्तर प्रदेश सरकार के साथ यूके की 'द फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस(एफसीडीओ) के सहयोग से भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी-चिवनिंग यूपी राज्य सरकार छात्रवृत्ति योजना के संचालन के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। एमएसएमई विभाग की दो पॉलिसी को मंजूरी मिली है। योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश फुटवेयर लेदर, नॉन लेदर विकास नीति 2025 और उत्तर प्रदेश लघु सूक्ष्म मध्यम औद्योगिक स्थान प्रबंधन नीति को स्वीकृति दी है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 1.5 क्यूसेक क्षमता के 1750 असफल राजकीय नलकूपों के पुनःनिर्माण की परियोजना (नाबार्ड पोषित) जिसकी लागत 56120.69 लाख (जी.एस.टी. सहित) के व्यय प्रस्ताव का अनुमोदन मिला है। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय उप्र. अधिनियम 2002 में संशोधन करते हुए धारा-24 (1) (इ) अन्तर्विष्ट किए जाने संबंधी विधेयक को राज्य विधान मण्डल के आगामी सत्र में पुरःस्थापित किये जाने के सम्बन्ध में प्रस्ताव पास हुआ।

पुरातन छात्र एवं छात्रसंघ पदाधिकारियों की नव नियुक्त कुलपति से शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। विश्वविद्यालय पुरातन छात्र/ छात्राओं ने लखनऊ विश्वविद्यालय की नवनियुक्त कुलपति प्रो़फ़ेसर मनुका खन्ना जी से मिलकर बधाई और शुभकामनाएं दी।

कुलपति महोदया से मिलने वाले संगठन पदाधिकारियों में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष प्रमोद तिवारी, पूर्व छात्र मनोज बरनवाल,पूर्व छात्रा डॉ अंशु केडिया, शरफ अब्बास,एडवोकेट पवन उपाध्याय, पूर्व छात्रसंघ महामंत्री अनिल सिंह वीरू शामिल रहे। सभी ने कुलपति को हबीबुल्लाह छात्रावास के पुरातन छात्रों द्वारा प्रकाशित युगांतर पत्रिका भी भेट की। छात्र प्रतिनिधि मंडल ने कुलपति महोदया को विश्वविद्यालय के शैक्षिक उन्नयन और विकास के प्रत्येक प्रयास में पुरातन छात्र संगठन के संपूर्ण सहयोग के प्रति आश्वस्त किया।

पुरातन छात्र संगठन का विश्वास है कि पुरातन छात्रों और विश्वविद्यालय प्रशासन के सामंजस्य और परस्पर सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय सफलता के नए प्रतिमान स्थापित करता रहेगा। पुरातन छात्र संगठन कुलपति महोदया के सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं देता है और विश्वास करता है कि आपके नेतृत्व में विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति करता रहेगा। एक बार पुनः लखनऊ विश्वविद्यालय पुरातन छात्र संगठन की ओर से नवनियुक्त कुलपति महोदया को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं।

कांग्रेस शासन में नियुक्त सीईसी पर भी सवाल

अभयानंद शुक्ल

- राहुल को 2014 से ही चुनावी धांधली का शक, पत्रकारों को दिए वोटर लिस्ट में गड़बड़ी के सबूत
- नेता प्रतिपक्ष ने कहा, अंपायर ही है आरोपी, राहुल ने कहा, मर चुका है भारत का चुनाव आयोग

लखनऊ। राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी की लगातार हार से शायद बौखलाए हुए हैं, इसीलिए कभी इवीएम, कभी वोटर लिस्ट और कभी चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहे हैं। जब से बिहार में वोटर लिस्ट का एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन शुरू हुआ है, तब से उनका पारा चढ़ा हुआ है। गुरुवार को उन्होंने पत्रकारों के सामने चुनाव आयोग द्वारा वोट चोरी के कथित सबूत पेश किए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब अंपायर ही आरोपी है तो चुनाव चाहे इवीएम से हो या बैलेट पेपर से, कोई फर्क नहीं पड़ता। उनके अनुसार हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक लाख फर्जी वोटर हैं, एक-एक मकान में पचास से ऊपर लोगों के नाम मतदाता सूची में हैं। उनका कहना है कि चुनाव आयोग पूरी तरह भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है, इसीलिए हमें मांगने पर भी डिजिटल फार्मेट में वोटर लिस्ट नहीं दी जा रही है। वहीं चुनाव आयोग के एक सूत्र ने कहा कि राहुल गांधी के आरोपों को देखकर तो यही लगता है कि पूरे देश में तुरंत एसआईआर कराना जरूरी है। ऐसे में लगता है कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के खिलाफ आरोपों का पुलिंदा सामने लाकर शायद अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है। साथ ही उन्होंने आयोग के विशेष सघन पुनरीक्षण के निर्णय को जस्टिफाई भी कर दिया है।

इन दिनों बिहार में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण के विवाद ने काफी तूल पकड़ लिया है। चुनाव प्रक्रिया, मतदाता सूची में गड़बड़ी के अलावा बिहार के एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर आरोप लगाने वाले राहुल गांधी ने गुरुवार को अपने आरोपों के समर्थन में सबूतों का पुलिंदा पेश किया। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग पिछले दस-पंद्रह सालों का वोटर लिस्ट का डिजिटल डाटा उपलब्ध करा दे तो मेरी बातें दो मिनट में साबित हो जाएंगी। जब उनसे पूछा गया कि जब आप इवीएम पर सवाल उठाते हैं तो क्या आपको लगता है कि अब चुनाव मैनुअल यानी बैलेट पेपर से ही कराए जाएं। इस पर उन्होंने कहा कि जब अंपायर यानी चुनाव आयोग ही एक टीम से मिला हुआ है तो इवीएम या बैलेट पेपर से चुनाव का कोई मतलब नहीं है।? राहुल गांधी से जब ये सवाल किया गया कि जब कांग्रेस किसी राज्य में चुनाव जीत जाती है तो तब चुनाव आयोग पर सवाल नहीं उठते हैं ऐसा क्यों, तब नेता प्रतिपक्ष ने बात को घुमाते हुए कहा कि यहां बात ये नहीं है कि कौन जीता या कौन हारा। यहां सवाल यह है कि वोटर लिस्ट में इतनी गड़बड़ियां कैसे हो रही हैं।

राहुल गांधी का आरोप है कि एक ही व्यक्ति कई बार वोट दे रहा है और आयोग रोक नहीं पा रहा है। इसके अलावा एक ही व्यक्ति का नाम कई जगह वोटर लिस्ट में है, और वह वोट भी दे रहा है। इसके अलावा काफी जगहों पर वोटर के पिता का नाम ही नहीं है। इस प्रकार राहुल गांधी ने ढेर सारी गड़बड़ी बताते हुए कहा कि पूरा चुनावी सिस्टम चुरा लिया गया है, लोगों का वोटिंग राइट छीन लिया गया है। और यह लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर मेरे द्वारा दिए गए सबूतों की सही तरीके से जांच करा ली जाए तो चुनाव आयोग तुरंत बेनकाब हो जाएगा। उधर एक त्वरित प्रतिक्रिया में चुनाव आयोग के सूत्र ने कहा है कि हम राहुल गांधी के आरोपों को परख रहे हैं। पर उनके सारे आरोपों को देखकर लगता है कि हमें पूरे देश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान अति शीघ्र शुरू करना पड़ेगा।

उधर एसआईआर को लेकर सिर्फ राहुल गांधी का ही नहीं वल्कि बिहार के राष्ट्रीय जनता दल, पश्चिम बंगाल की टीएमसी, झारखंड की झारखंड मुक्ति मोर्चा समेत देश की तमाम विपक्षी पार्टियों का पारा चढ़ा हुआ है। उनको लगता है कि इस एसआईआर के बहाने चुनाव आयोग उनके वोटरों को लिस्ट से निकाल रहा है, और ऐसा करके वह सत्ता पक्ष की मदद कर रहा है। इसके चलते संसद का मानसून सत्र भी अखाड़ा बना हुआ है। दोनों सदनों का काम प्रभावित है, लगातार स्थगन के चलते सरकार विधायी कार्य भी नहीं कर पा रही है। चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए राहुल गांधी ने तो यहां तक कह दिया है कि वह सरकार के इशारे पर काम कर रहा है। उन्होंने धमकी दी है कि हम चुनाव आयोग को छोड़ेंगे नहीं। आरोपों के क्रम में उनका यहां तक कहना है कि 2014 में भी धांधली हुई थी। हालांकि उस समय जो चुनाव आयोग काम कर रहा था, वह मनमोहन सिंह सरकार द्वारा नियुक्त किया गया था। ऐसे में राहुल गांधी का यह वार कहीं उनके ऊपर मिसफायर न कर जाए। यही नहीं उनका आरोप 2014 से लेकर अब तक के सभी चुनाव आयुक्तों पर है।

उच्च न्यायालय में पांच नए न्यायाधीशों ने ली शपथ

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में गुरुवार को पांच नवनियुक्त न्यायाधीशों ने शपथ ली। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने मुख्य न्यायाधीश के न्याय कक्ष में आयोजित सादे समारोह में सभी पांचों न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनियुक्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद, न्यायमूर्ति संतोष राय, न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी और न्यायमूर्ति जफीर अहमद सभी उच्च न्यायिक सेवा एचजेएस संवर्ग से पदोन्नत हुए हैं। जहां वह पहले जिला न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद उनकी नियुक्तियां उच्च न्यायालय में की गईं। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने पहले ही उनकी पदोन्नति की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी थी।

यूपी टूरिज्म का ग्लोबल शोकेस बनेगा पेरिस का आईएफटीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पेरिस में 23 से 25 सितम्बर तक होगा 'इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट टॉप रेसा 2025'
- आईएफटीएम में 120 देशों के सामने रखी जाएगी यूपी के पर्यटन स्थलों की जानकारी
- फ्रेंच व यूरोपियन ट्रैवल प्रोफ़ेशनल्स, टूर ऑपरेटर्स व इन्वेस्टर्स से जुड़ने का मिलेगा अवसर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को बीते 8 साल में बीमारू प्रदेश से उबार कर देश का ग्रोथ इंजन बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अब यूपी के पर्यटन सेक्टर को ग्लोबल मार्केट से जोड़ने का बीड़ा उठा लिया है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों को आगामी 23 से 25 सितम्बर के बीच फ्रांस की राजधानी पेरिस के पोर्टे डे वर्सेल्स में आयोजित होने वाले 'इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025' में भागीदारी के लिए तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए यह अंतरराष्ट्रीय आयोजन प्रतिवर्ष होता है। इस 'इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट में यूपी पर्यटन विभाग प्रदेश के टूरिज्म सेक्टर की अनगिनत संभावनाओं को दुनिया के सामने रखने की पूरी योजना बना रही है। ताकि विदेशी पर्यटक और निवेशक उत्तर प्रदेश की ओर आकर्षित हो सकें। इस आयोजन में 120 से अधिक देशों के प्रतिनिधि जुटेंगे। 'इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) टॉप रेसा 2025' के लिए यूपी पर्यटन विभाग जोर-शोर से तैयारी कर रहा है। यहां विदेशी आगंतुकों को उत्तर प्रदेश के स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, जैसे ओडीओपी उत्पादों और विविध संस्कृतियों की झलक दिखाई जाएगी। स्टॉल पर उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्प, कलाकृतियां और मंदिर वास्तुकला से सजा रचनात्मक सेट-अप होगा, जो आगंतुकों को सीधे आकर्षित करेगा। बता दें कि, हर साल करीब 3 लाख फ्रेंच पर्यटक भारत आते हैं। वहीं 7 लाख भारतीय पर्यटक फ्रांस की सैर करते हैं। यह आंकड़े दोनों देशों के बीच पर्यटन के मजबूत रिश्ते को दिखाते हैं। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग इस अवसर का लाभ उठाकर फ्रेंच और यूरोपीय पर्यटकों को वाराणसी, अयोध्या और बौद्ध सर्किट जैसे स्थलों की ओर आमंत्रित करने की तैयारी कर रहा है, जहां वे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक अनुभव ले सकेंगे। यूपी के लिए पेरिस में फ्रेंच और यूरोपीय ट्रैवल प्रोफ़ेशनल्स, टूर ऑपरेटर्स तथा पर्यटन निवेशकों से जुड़ने का यह महत्वपूर्ण अवसर है। पर्यटन विभाग यहां अपने स्टॉल पर आकर्षक डिस्प्ले, एलईडी स्क्रीन और इंटरएक्टिव कियोस्क के जरिए उत्तर प्रदेश को आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के तौर पर दर्शाएगा। इससे न केवल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि इससे भारत और यूरोप के बीच नए व्यापारिक रिश्ते भी बनेंगे। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में भी यह उपयोगी होगा। उल्लेखनीय है कि, उत्तर प्रदेश में आने वाले विदेशी पर्यटकों में दक्षिण एशियाई देशों के टूरिस्ट्स की संख्या ज्यादा है। योगी सरकार का फोकस है कि यूरोपीय और पश्चिमी देशों के पर्यटकों को भी बड़ी तादात में आकर्षित किया जाए। महाकुम्भ के दौरान प्रदेश में विदेशी पर्यटकों की आमद में खासतौर पर पश्चिमी देशों के पर्यटकों की भी बड़ी संख्या देखने को मिली थी, जिसे आगे भी जारी रखने की योजना पर कार्य किया जा रहा है। इस कड़ी में 'इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएपफटीएम) टॉप रेसा 2025' एक अहम कड़ी साबित हो सकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पर्यटन विभाग यहां के हेरिटेज टूरिज्म, वेलनेस और आयुर्वेद, इको और ग्रामीण पर्यटन की विशिष्टताओं को प्रदर्शित कर विदेशी सैलानियों और निवेश को आकर्षित करने के लिए विशेष तैयारी कर रहा है। आयुर्वेद रिट्रीट, योग केंद्र और ग्रामीण होमस्टे जैसे अवसरों को पेरिस में आयोजित होने वाले इवेंट में विशेष रूप से हाइलाइट किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की पर्यटन नीति के तहत निवेशकों को पूंजीगत सब्सिडी, भूमि आवंटन और आसान मंजूरी जैसे लाभ बताए जाएंगे, जो यहां के खंडहर हो रहे किले, महल और आध्यात्मिक स्थलों के विकास में मदद करेंगे। विभाग उत्तर प्रदेश के पारम्परिक नृत्यों जैसे मयूर नृत्य, रास लीला, आदिवासी नृत्य, बुंदेली लोक नृत्य और कथक को लाइव प्रदर्शित करने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा, एआर आधारित सेल्फी पैनल, ऑटो-नेविगेशन स्क्रीन और डिजिटल टच पैनल के जरिए यूरोपियन निवेशक उत्तर प्रदेश के दर्शनीय स्थलों का वर्चुअल दौरा कर सकेंगे। वहीं, मोबाइल ऐप और क्यूआर कोड के माध्यम से यात्रा कार्यक्रमों की बुकिंग प्रक्रिया को फिंगर टिप्स पर उपलब्ध कराने की तैयारी है। पर्यावरण संरक्षण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सर्वाधिक जोर है, इसकी झलक पेरिस में आयोजित होने जा रहे आयोजन में भी दिखेगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग सस्टेनेबल सामग्री का उपयोग करके स्टॉल सेट-अप करने की योजना बना रहा है, जिसमें कोई प्लास्टिक या गैर-बायोडिग्रेडेबल वस्तु का इस्तेमाल नहीं होगा। इससे पर्यावरण संरक्षण और सस्टेनेबल टूरिज्म का संदेश जाएगा। साथ ही, स्टॉल पर आने वाले आगंतुकों का डेटाबेस तैयार किया जाएगा, ताकि भविष्य में उनसे सम्पर्क करके निवेश और पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके।

कथा से पहले हरे रामा हरे कृष्णा संकीर्तन के साथ निकली कलश यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या धाम के क्रांतिकारी कथा व्यास स्वामी बाल भरत महाराज द्वारा संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा गुरुवार से बीरबल साहनी मार्ग स्थित खाटू श्याम मंदिर में शुरू हुई कथा से पहले सुबह कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में महिलाएं सिर पर कलश धारण किए प्रभु नाम के जयकारे लगाते हुए चल रही थीं। वहीं इस्कॉन मंदिर से आई टीम हरे रामा हरे कृष्णा संकीर्तन करते हुए चल रही थीं। संकीर्तन से यात्रा में चल रहे श्रद्धालु भाव विभोर होकर झूम रहे थे और नृत्य कर रहे थे। कलश यात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर से शुरू होकर खाटू श्याम मंदिर पर समाप्त हुई। कलश यात्रा में कथा व्यास बालभारत जी महाराज व आयोजक प्रदीप अग्रवाल समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु चल रहे थे। यात्रा में जगह-जगह भगवान के जयकारे लग रहे थे । कथा व्यास बाल भारत महाराज ने कहा कि भागवत कथा सुनने से पितरों को शांति और मुक्ति मिलने के साथ ही आत्मिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। सांसारिक दुखों से मुक्ति और मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसके साथ ही, कथावाचक भागवत कथा के मूल मंत्र, सदाचार पर भी प्रकाश डालते हैं, जो कि समाज में सम्मान और भगवान का प्रेम दिलाता है। कथा 13 अगस्त तक अपराह्न 4:00 बजे से रात 8:00 बजे तक होगी।

अगर पीएम चीन जा रहे हैं तो हमारे मुख्यमंत्री को भी साथ लेकर जाएं, अखिलेश ने ली चुटकी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीन दौरे लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर चुटकी लेते हुए कहा कि अगर पीएम मोदी चीन जा रहे हैं तो उन्हें अपने साथ सीएम योगी को भी ले जाना चाहिए। सपा मुखिय ने गुरुवार को संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए योगी आदित्यनाथ पर हमेशा की तरह अपने ही अंदाज में चुटकी ली। उन्होंने कहा कि ष्अगर वो चीन जा रहे हैं तो हमारे मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) को भी साथ लेकर जाएं। क्योंकि वो नाम बदलने में माहिर हैं। हो सकता है वो चीन का भी नाम बदल दें। बता दें गलवान वैली में झड़प के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार चीन दौरे पर जा रहे हैं। उनका दो दिवसीय दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को रहेगा। इस दौरान वो शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में हिस्सा लेंगे। अमेरिका के टैरिफ वॉर के बीच उनका ये दौरा बेहद अहम होने जा रहे हैं।

जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाने के आरोप में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के महिगवां क्षेत्र में आतंक फैलाने और जान से मारने के उद्देश्य से गोलीबारी करने के आरोप में तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि महिगवां थाना क्षेत्र के किशनपुर ने भूखंड की खरीद-फरोख्त का काम करने वाले कल्याणपुर निवासी दुर्गेश सिंह की तहरीर पर बुधवार रात राजीव कुमार उर्फ राजू रावत, मुख्तार गाजी एवं कुद्दूस गाजी नामक बदमाशों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र), 351(3) (आपराधिक धमकी) और 109(1) (हत्या का प्रयास) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दर्ज मुकदमे में वादी दुर्गेश सिंह ने आरोप लगाया है कि तीनों अभियुक्तों ने पिछले महीने 15 जुलाई को किशनपुर गांव में उसके कार्य स्थल पर पहुंचकर उसके भतीजे पंकज सिंह को जान से मारने के लिए गोलियां चलाईं।

जुकाम को सामान्य बुखार न समझें, होता है गंभीर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- प्रतिवर्ष फ्लू टीका लगवाकर बच सकते है बुखार जैसी बीमारियों से

लखनऊ। इस साल गर्मियों में हुयी रिकार्ड बारिश और मौजूदा मानसून के दौरान बदलते ठण्डे-गर्म के मौसम के दौरान बढ़ने वाली नमी से न सिर्फ व्यक्ति के शरीर की ताकत कमजोर पड़ती है बल्कि उसकी वजह से सर्दी-जुकाम का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग सर्दी-जुकाम के साथ होने वाले फ्लू को सामान्य समझ लेते है, जबकि ऐसा नहीं होता है। ऐसे मामलों के जानकार शहर के प्रमुख डॉक्टर रवि भास्कर, परामर्शदाता पल्मोनोलॉजिस्ट, डॉ. रवि भास्कर के अनुसार सामान्य समझने वाले इस तरह का फ्लू कहीं ज्यादा गंभीर होता है। दोनों में गले में खराश या खांसी जैसे लक्षण मौसमी बीमारियाँ तेजी से फैलने लगती हैं। डॉ. जेजो करणकुमार, मेडिकल अफ़ेयर्स डायरेक्टर, एबॅट इंडिया ने कहा टीके सिर्फ बच्च्चों के लिए नहीं होते बल्कि बड़ों को भी सुरक्षा की जरूरत होती है, खासकर फ्लू जैसी बीमारियों से। हर साल फ्लू का टीका लगवाने से न सिर्फ बीमारी होने की संभावना कम होती है, बल्कि अगर फ्लू हो भी जाए तो उसके लक्षण हल्के रहते हैं। यह एक छोटा लेकिन अहम बचाव कदम है, जो बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए खास तौर पर फायदेमंद हो सकता है। इस तरह के फ्लू के साथ अक्सर तेज बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द और उल्टी जैसी शिकायतें भी होती हैं। अगर इन लक्षणों को शुरू में पहचान लिया जाए तो इलाज जल्दी हो सकता है और बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। चूंकि फ्लू वायरस हर साल बदलते रहते हैं, इसलिए टीके को भी हर साल अपडेट किया जाता है, यही वजह है कि हर साल फ्लू का टीका लगवाना सबसे अच्छा बचाव है। भारत जैसे ट्रॉपिकल देशों में इस मौसम में फ्लू (या इन्फ्लुएंजा) के मामले तेजी से बढ़ते हैं। डॉक्टर्स का कहना है कि कुछ आसान कदमों से मानसून फ्लू से बचा जा सकता है। जैसे अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोएं, और अगर बाहर हों तो हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। चेहरे को छूने से बचेंकृखासतौर पर आंख, नाक और मुंह को। साथ ही, मोबाइल फोन, दरवाजे के हैंडल जैसी चीजें जिन्हें आप बार-बार छूते हैं, उन्हें भी साफ करते रहें।इअगर कोई बीमार है तो उससे थोड़ी दूरी बनाए रखें। जब भी मौका मिले, खिड़कियां खोलकर ताजी हवा आने दें। और भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना न भूलें, यह आपको और दूसरों को सुरक्षित रखने में मदद करता है। अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए ये सभी कदम जरूर अपनाएं। बच्च्चों के वैक्सीनेशन शेड्यूल के साथ-साथ अपनी और घर के बाकी बड़ों की सालाना टीकाकरण भी समय पर करवाएं। चूंकि, फ्लू वायरस हर साल बदलते हैं, इसलिए डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) की सिफारिश के अनुसार वैक्सीन को भी हर साल अपडेट किया जाता है। यही वजह है कि हर साल फ्लू का टीका लगवाना बेहद जरूरी है। भले ही आप बिल्कुल स्वस्थ हों, लेकिन फ्लू तब भी आपको प्रभावित कर सकता है, जिसमें सेहत पर असर के साथ ही ऑफिस मिस करना, डॉक्टर के चक्कर लगाना और अचानक आने वाला इलाज का खर्च शामिल है। इसीलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (ड्ब्ल्यूएचओ) हर साल फ्लू का टीका लगवाने की सलाह देता है। यह हर उम्र के लोगों के लिए असरदार है, इसमें गर्भवती महिलाएं और पहले से बीमार लोग भी शामिल हैं और यह आपको गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करता है। मौसम हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन अपनी सेहत की जिम्मेदारी जरूर हमारे हाथ में है। हर साल लगवाया जाने वाला फ्लू का टीका एक आसान और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित तरीका है जो न सिर्फ आपको, बल्कि आपके आसपास के लोगों को भी सुरक्षित रखता है, खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और पुरानी बीमारियों से जूझ रहे लोगों को।

अमेरिका ने भारत को आघात पहुंचाने का प्रयास किया, देश के सामने आई इस चुनौती पर गंभीर चिन्तन: मायावती

लखनऊ। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर कुल 50 प्रतिशत का शुल्क (टैरिफ) लगाए जाने को लेकर देश में भी राजनीति गरमा गई इस मुदे को लेकर विपक्ष विपक्ष सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठा रहा है। इसे लेकर उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बसपा सुप्रीमो मायावती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ब्रिक्स देश ब्राजील की तरह ही भारत पर भी कुल मिलाकर 50 प्रतिशत का भारी भरकम टैरिफ (शुल्क) लगाकर अमेरिका ने जो भारत को आघात पहुंचाने का प्रयास किया है। उसे भारत सरकार ने अपने संयमित बयान में 'अनुचित, अन्यायपूर्ण व अविवेकी' बताया है, किन्तु देश की जनता डोनाल्ड ट्रम्प का 'मित्र' देश भारत के प्रति इसे प्रथम दृष्टया विश्वासघाती एवं देश को कमजोर करने वाला कदम ज्यादा मानती है।

राजधानी में हो रही झमाझम बारिश, छुट्‌टी के समय बरसात होने से बच्चे भीगे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में दोपहर बाद तेज बारिश शुरू हो गई है। गोमती नगर, हजरतगंज आदि इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। अगले 3 घंटे तक बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। महानगर में नगर निगम की पानी की टंकी टपकने लगी है। लखनऊ में लगातार छह दिन से बारिश हो रही है। आज सुबह मौसम साफ था। दोपहर में स्कूलों में छुट्टी के वक्त बरसात होने से स्कूली बच्चे भीग गए। मौसम विभाग ने 1-2 बार बारिश के आसार जताए थे। आज अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रह सकता है। बुधवार देर रात तक लखनऊ में बारिश का दौर जारी रहा। अधिकतम तापमान 32.3 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री रहा। दिनभर में 57.7 मिलीमीटर बारिश हुई। महानगर में पानी की टंकी टपकने लगी है। यह टंकी नगर निगम के जलकल विभाग जोन-3 के अंतर्गत आती है। पानी की टंकी के बगल में पूर्व डीजीपी का घर है। पानी टपकने से टंकी के गिरने का खतरा बना हुआ है।

ड्रोन से एंटी लार्वा का छिड़काव, नगर निगम लोगों को कर रहा जागरूक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसे संचारी रोगों के खतरे को देखते हुए नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर शहर में एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग हो रही। जलभराव के कारण मच्छरों के पनपने की आशंका है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर वहां पर तत्काल एंटी लार्वा दवा का छिड़काव किया जाए। नगर निगम ने ड्रोन के जरिए एंटी लार्वा छिड़काव शुरू किया है। गुरुवार को जोन 1 में बटलर पैलेस झील और जोन 2 में मोती झील पर ड्रोन से दवा का छिड़काव किया गया। इस दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार (जोन 1) और अरुण कुमार गुप्त (जोन 2) ने मौके पर पहुंचकर कार्य का निरीक्षण किया। सभी जोनल सेनेटरी अफसरों को निर्देश दिए गए हैं कि वे उन क्षेत्रों में ड्रोन छिड़काव पर ध्यान दें, जहां मैन्युअल छिड़काव संभव नहीं है, जैसे झीलें, बड़े भूखंड और निर्माणाधीन क्षेत्र। नगर निगम ने जागरूकता के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम और कूड़ा कलेक्शन वाहनों का सहारा लिया है। विभिन्न स्क्रीनों और वाहनों के माध्यम से संचारी रोगों से बचाव के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं, ताकि लोग सतर्क रहें। नगर निगम ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, कूलर की नियमित सफाई करें और स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करें। नगर आयुक्त गौरव कुमार और नगर स्वास्थ्य अधिकारी पीके श्रीवास्तव ने कहा कि जन सहभागिता से ही संचारी रोगों पर पूरी तरह नियंत्रण संभव है।

केजीएमयू में ओपीडी की लिफ्ट बीच में अटकी,मरीज-तीमारदार फंसे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के सबसे बड़े चिकित्सा विश्वविद्यालय केजीएमयू में गुरुवार को एक डराने वाली घटना सामने आई। नई ओपीडी की बिल्डिंग की लिफ्ट बीच रास्ते फंस गई। इसके चलते कई मरीज और तीमारदार लिफ्ट के अंदर आधे घंटे तक फंसे रहे। उनके साथ एक बच्चा भी फंसा रहा। अचानक लिफ्ट रुकने से अंदर फंसे मरीज और तीमारदार डर गए। गर्मी से बेहाल बच्चा चीखने-चिल्लाने लगा। लोगों ने लिफ्ट मेंटीनेंस नंबर पर कॉल की, तो फोन नहीं लगा। बाद में पता चला कि वह नंबर तो 9 डिजिट का ही है और टोलफ्री नंबर पर कॉल रिसीव नहीं हुआ। केजीएमयू की ओपीडी में औसतन 7 से 8 हजार मरीज हर रोज डॉक्टर को दिखाने के लिए पहुंचते हैं। इनमें बड़ी संख्या गंभीर रोगियों की भी होती है। न्यू ओपीडी बिल्डिंग 4 फ्लोर की है। गुरुवार सुबह अचानक सेकेंड फ्लोर पर लिफ्ट रुकने से अंदर फंसे लोगों की सांसें अटक गईं। इस दौरान जब लिफ्ट के अंदर मेंशन नंबर पर कॉल किया गया तो कुछ नंबर महज 9 डिजिट के होने के कारण कॉल नहीं लगा। जानकारी के मुताबिक, ओपीडी की न्यू बिल्डिंग में अचानक इलेक्ट्रिकल कनेक्शन का ड्यूक उड़ गया, जिसके चलते लिफ्ट की पावर सप्लाई बाधित हुई। इसके चलते एक नहीं बल्कि सभी 6 लिफ्ट रुक गईं। इस दौरान जिन लिफ्ट में लोग थे, वे परेशान हो गए। जानकारी होने पर मेंटीनेंस टीम मौके पर पहुंची। लिफ्ट को जनरेटर से जोड़कर पावर सप्लाई दी गई। लिफ्ट में फंसे लोग बाहर निकले। केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि लिफ्ट रुकने से मरीज कोई भी प्रभावित नहीं हुआ है। महज एक मिनट के लिए लिफ्ट रुकी थी। लाइट जाने के बाद चेंज ओवर हुआ। लिफ्ट टेक्नीशियन भी मेरे साथ मौजूद रहे। उसी एक मिनट के दौरान जो अंदर रहे होंगे, उन्होंने फोटो और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाला है। इसे देखते ही मैं खुद न्यू ओपीडी पहुंचा। तब तक लिफ्ट चल चुकी थी। न ही कोई घायल है और न ही कोई प्रभावित है। सारा काम सुचारु रूप से चल रहा है।

बारिश से इमारत झुकी, पुलिस ने बैरिकेडिंग की नगर निगम के खिलाफ व्यापारियों का प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम के खिलाफ शहर के 600 व्यापारियों ने प्रदर्शन किया है। अब लगातार 3 दिन से बंद चल रहे व्यापारियों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने गुरुवार को नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन पर दुकानें बंद पड़ी हैं।3 दिन से बोहनी नहीं हुई। अगर नगर निगम इस बिल्डिंग को आज नहीं गिराता तो हम लोग अलीगंज के डंडहिया से कुर्सी रोड जाने वाल मुख्य मार्ग को बंद कर देंगे। बता दें कि पिछले 5 दिनों से लगातार हो रही बारिश में डंडहिया मार्केट में एक पुरानी बिल्डिंग में दरार आ गई, जिससे वह झुक गई थी। सूचना पर मेयर सुषमा खर्कवाल नगर निगम के अधिकारियों के लेकर मौके पर पहुंचीं। उन्होंने नगर आयुक्त सहित संबंधित अधिकारियों को आदेश दिया कि इस बिल्डिंग के मालिक को तुरंत सूचित किया जाए। उन्हें नोटिस जारी कर कहा जाए कि बिल्डिंग को खुद जल्द से जल्द गिरा दें। मेयर के आदेश के बाद जिम्मेदारों ने आसपास की सड़कों पर बैरिकेडिंग करके मार्केट को ही बंद कर दिया।व्यापारी हीरालाल वर्मा ने कहा कि समस्या यह है कि बीच बाजार में जर्जर बिल्डिंग है। तीन भाइयों की बिल्डिंग में बेचने के बाद विवाद हुआ है। आधी से अधिक बिल्डिंग गिराई जा चुकी है। बिल्डिंग सड़क की तरफ लटकी हुई है। व्यापारियों ने इसे देखते हुए प्रशासन और नगर निगम को सूचना दी। इसके बाद मौके पर मेयर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने निरीक्षण किया। इस दौरान जरूरी दिशा निर्देश देते हुए भवन मालिक को नोटिस देने का निर्देश हुआ। उनका कहना है कि मौके पर मेयर नगर आयुक्त और जोनल अधिकारियों ने एक दिन का समय लेकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया था, लेकिन तीन दिन बीत चुके हैं।व्यापारी शिवकुमार गुप्ता ने कहा कि पिछले तीन दिनों से कर्फ्यू सम हाल पूरी बाजार में है। 600 व्यापारी इसके चलते परेशान हैं। कोई कस्टमर दुकान पर नहीं आ रहा है। बोहनी तक नहीं हो रही। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का मौका है घर में बहन-बेटियां आएंगी। त्योहार पर जब दुकानदारी तक नहीं हो रही तो उन्हें क्या देंगे। पहले से ही पूरा बाजार जाम की समस्या झेल रहा था, अब यह नई समस्या बना दी गई है। आज या तो प्रशासन इस बिल्डिंग को गिरा दे या फिर बैरिकेडिंग खोल दी जाए। व्यापारी नितिन गुप्ता ने बताया कि 2 दिन बाद त्योहार है लेकिन 10 का काम भी दिन भर में नहीं हो रहा है। प्रशासन हमारी मांग को सुने और तत्काल सड़क को खाली करें। व्यापारी मनीष गुप्ता ने बताया कि पूरी बाजार बंद है। सन्नाटा पसरा हुआ है कर्फ्यू सा माहौल है। जो बिल्डिंग 10 से 15 मिनट में गिर सकती है, उसके चलते पूरे क्षेत्र के व्यापारियों की परेशानी बढ़ा दी गई है। एक दिन बाद हमारा त्योहार है। हम त्योहार भी सही से नहीं मना पाएंगे क्योंकि कोई दुकानदारी नहीं है। सुमित्रा ने बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर राखी की दुकान लगाई है, लेकिन कोई बोहनी नहीं हो रही। उधार लेकर दुकानदारी शुरू की है, लेकिन पूरा सीजन खराब जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन दिनों से दुकानदारी ठप पड़ी हुई है। अगर रास्ता खुल जाए और लोग आवाजाही करना शुरू कर दें तो उनकी भी दुकानदारी हो जाएगी इससे त्योहार भी मनाया जा सकेगा।

विधायक ने बाढ़ प्रभावितों को वितरित की राहत किट

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ अपर जिलाधिकारी ने किया पिहानी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

हरदोई। अपर जिलाधिकारी विरा प्रियंका सिंह ने पिहानी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावितों से बातचीत की तथा प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही राहत सहायता के संबंध में पूछा। उन्होंने धोबिया आश्रम व बाबा मैरिज लॉन में बनाए गए बाढ़ शरणालयों को देखा। उन्होंने विधायक श्याम प्रकाश के साथ राहत किट बाढ़ प्रभावितों को वितरित की।

विधायक ने प्रशासन द्वारा किए जा रहे राहत कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा की सरकार पूरी तरह से प्रभावितों के साथ है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सुशील कुमार मिश्रा, उप जिलाधिकारी अंकित तिवारी, उप जिलाधिकारी गरिमा सिंह, अधिशासी अधिकारी अमित सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्य मंत्री ने किया बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया

■ अधिकारियों को बाढ़ आपदा मदद के दिए निर्देश

मिठनापुर, खरगपुर गांव का निरीक्षण करती उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। विधान सभा क्षेत्र की विधायक और प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने गुरुवार को विधान सभा क्षेत्र के ककरघटा, मिठनापुर, खरगपुर आदि गाँवों के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों से संवाद करके उनका दर्द साझा किया।

राज्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्र के सभी ग्रामों में नौका की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सभी बाढ़ प्रभावितों को नियमानुसार राहत सहायता व राहत किट का वितरण कराया जाए। उन्होंने मेडिकल टीम क्षेत्र में तैनात रहने के निर्देश दिए। प्रभावित परिवारों के मवेशियों के लिए भी भूसा चारा आदि की व्यवस्था कराई जाए। इस अवसर पर केन सोसाइटी के चेयरमैन रंजीत सिंह, देवराज सिंह, गोविन्द पाठक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

गोद में बच्चा लिया 8 वर्षीय विशाल बेबस जिंदगी पर सिस्टम की मार

कभी बेकसी ने मारा तो कभी बेबसी ने मारा।
गिला मौत से नहीं है मुझे जिंदगी ने मारा।

राष्ट्रीय प्रस्तावना

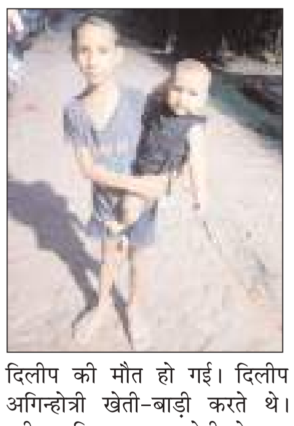

हरदोई। यह लाइन उस बच्चे पर सटीक बैठ रही है जो बचपन में अपने माता.पिता को खोया।बेबस और लाचार जिंदगी जीने को मजबूर। सरकारी सिस्टम में शिक्षा का अधिकार भी छीन लिया।

मामला है विकासखंड टड़ियावां के लहराई गांव का। अपनी बुआ के घर आश्रय ले रहे 8 वर्षीय विशाल क।विशाल जिला कन्नौज के चांदपुर गांव का निवासी है जैसा की विशाल के फूफा राममूर्ति तिवारी ने बताया की विशाल की माता तीसरे बच्चे को जन्म देने के बाद उनकी मौत हो गई ।माता की मौत के करीब 3 साल बाद पिता दिलीप की मौत हो गई। दिलीप अगिन्होत्री खेती-बाड़ी करते थे। गरीब परिवार था । खेती बेचकर पैसा बीमारी में खर्च कर दिया ।उसके बाद उनकी मौत हो गई। विशाल तीन भाई बहन हैं। बड़ी बहन सोनम 12 वर्ष भाई विष्णु 10 वर्ष विशाल आब 8 वर्ष का है। सोनम और विष्णु कीदेखभाल उनके चाचा कृपा शंकर करते थे लेकिन पिछले वर्ष चाचा कृपा शंकर की मौत हो गई। एक बार परिवार पर फिर संकट आ गया अब अपने ताऊ के पास रह रहे हैं। छोटा बेटा विशाल को मैं अपने साथ लहराई गांव ले आया। स्कूल न भेजे जाने पर सवाल पर बताया कि स्कूल में दाखिला कराने के लिए गांव के सरकारी स्कूल ले गया जहां पर एडमिशन के लिएआधार कार्ड की जरूरत पड़ी । कहा गया कि बिना आधार कार्ड के एडमिशन नहीं होगा।आधार कार्ड बनवाने का प्रयास किया इसमें मांगा गया जन्म कहां हुआ अस्पताल का सर्टिफिकेट जन्म प्रमाण पत्र ।तथा और तमाम सबूत मांगे हैं जो मैं उपलब्ध नहीं करापाया जिसके कारण आधार कार्ड नहीं बन सका। अब तक सरकार से कोई भी मदद नहीं मिली है। राम मूर्ति तिवारी भी इतने पढ़े.लिखे व जागरूक नहीं है। इनके पास बहुत कम खेती है तथा गरीब व्यक्ति हैं।गांव में पान की दुकान चला कर इनके परिवार का मुश्किल से भरण पोषणहो पता है। सरकार और समाज सेवियों से मदद की मांग की है। आखिरकार विशाल का भविष्य अंधकार में डूबा है जिसे ऐक भागीरथ की जरूरत है।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक निर्देश

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस के सम्बन्ध में बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि 14 अगस्त को अम्बेडकर पार्क में कवि सम्मलेन का आयोजन किया जाये। कैण्डल मार्च का आयोजन किया जाये। 15 अगस्त को अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जाये। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रमुख चौराहों को सजाया जाये। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया जाये। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाये। केंद्रीय विद्यालयए नवोदय विद्यालय व विभिन्न बोर्ड के टॉपर छात्र.छात्राओं को सम्मानित किया जाये। अच्छा कार्य करने वाले लेखपालों व बीएलओ को सम्मानित किया जाये। तीन लघु व्यापारियों को सम्मानित किया जाये। राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों को सम्मानित कराया जाये। ट्रांसजेन्डरए वृद्ध मतदाताओं व दिव्यांगजन को सम्मानित कराया जाये। हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत घरों पर तिरंगा लगाया जाये। झंडा संहिता का पालन किया जाये। 13 से 15 अगस्त तक अभियान के अंतर्गत लोगों को घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया जाये। त्यौहार को देशभक्ति की भावना के साथ मनाया जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठीए जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व समिति के सदस्य गण उपस्थित रहे।

युवक और एक किशोरी ने लगाई फाँसी, दोनों की मौत

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र में दो अलग अलग स्थानों पर एक युवक और एक किशोरी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। आंझी चौकी क्षेत्र के ग्राम लोनी में 16 वर्षीय प्रियंका पुत्री स्वर्गीय राम बरन मानसिक रूप से अस्वस्थ थी जिसका परिजनों द्वारा झाड़ फूंक का इलाज करवाया जा रहा था। बुधवार की शाम को प्रियंका ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दूसरे मामले में कस्बे के मोहल्ला मौलागंज निवासी 35 वर्षीय सूरज पुत्र कालिका पिछले कुछ वर्षों से काशीराम कालोनी में परिवार सहित रह रहा था। संदिग्ध परिस्थितियों में उसने बुधवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजन उसे फांसी से उतार कर सीएचसी ले गए जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक विवाहित है एक पुत्री और दो पुत्र हैं। प्रभारी निरीक्षक उमेश कुमार त्रिपाठी ने बुधवार को रात ०8:00 बजे बताया आत्महत्या की दोनों घटनाओं की सूचना पर कोतवाली पुलिस ने पहुंचकर दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए हरदोई भिजवाया है।

भाजपा विधायक ने किया भंडारे का किया शुभारम्भ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पाली (हरदोई)। पाली-रूपापुर मार्ग पर कस्बे के कुटुंब एवं साड़ी प्रतिष्ठा के सामने पास पवित्र श्रावण मास की त्रयोदशी के उपलक्ष में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें विधायक ने भगवान की पूजा अर्चना कर भक्त जनों को वितरीत किया भंडारे का प्रसाद वहीं भाजपा नेता कुलदीप मिश्रा ने बताया है की प्रत्येक माह की हर पूर्णमासी पर भंडारे का आयोजन किया जाता है लेकिन इस बार 9 अगस्त को पूर्णमासी के दिन रक्षाबंधन का त्योहार पढ़ रहा है इस कारण पूर्णमासी पर ना करके श्रावण मास की त्रयोदशी पर किया जा रहा है हर पूर्णमासी पर पूरी और सब्जी का भंडारा किया जाता था लेकिन इस बार श्रावण मास महा पडने के कारण कावड़ियों के लिए विशेष प्रकार के व्यवस्था की गई इसमें प्रसाद के रूप में जैसे कि फल बूंदी हलवा पकोड़ा ब्रेड पकोड़ा प्याज पकोड़ा की विशेष रूप में व्यवस्था की गई इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष राकेश रंजन त्रिवेदी NSDA मॉन्टेसरी स्कूल के प्रबंधक ए०बी० सिंह एवं प्रधानाचार्य दीपक अग्निहोत्री रामू अग्निहोत्री शिवम तिवारी संदीप मिश्रा पिंटू मिश्रा भोले बाजपेई सत्यदेव पांडे आदि लोग मौजूद रहे।

श्री बालाजी जन सेवा केंद्र का भव्य शुभारंभ, बघौली चौराहा बना ऐतिहासिक गवाह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बघौली (हरदोई)। चौराहा स्थित बघौली रोड पर श्री बालाजी जन सेवा केंद्र का भव्य शुभारंभ आज अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर क्षेत्रीय जनता के साथ.साथ पत्रकारिता सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र की प्रतिष्ठित हस्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया।

विशेष उल्लेखनीय है कि यह आयोजन ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन कार्यालयए बघौली चौराहा परिसर में सम्पन्न हुआए जिससे जन सेवा और पत्रकारिता के बीच सहयोग और समर्पण का संदेश भी देखने को मिला। मुख्य अतिथि के रूप में अखिलेश सिंह (जिला अध्यक्ष ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, हरदोई) तथा अनिल मिश्रा (ब्यूरो चीफ, राष्ट्रीय सहारा) ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर केंद्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नवल किशोर (महामंत्री, ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, हरदोई) एवं शिव प्रकाश द्विवेदी (चर्चित राजनीतिक ब्यूरो चीफ, हरदोई) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और भी बढ़ा दिया। कार्यक्रम का संचालन सूरज मिश्रा, केंद्र संचालक द्वारा किया गया, जिन्होंने केंद्र की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को डिजिटल सेवाएं, सरकारी योजनाएं, दस्तावेज निर्माण, आधार, पैन, पेंशन, प्रमाण-पत्र इत्यादि को सहज रूप से उपलब्ध कराना बताया। अखिलेश सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि यह जन सेवा केंद्र समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का एक अनुकरणीय प्रयास है। अनिल मिश्रा ने कहा कि यह पहल न सिर्फतकनीकी विकास की दिशा में बल्कि ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में भी अहम भूमिका निभाएगी। नवल किशोर ने ग्रामीण पत्रकारों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे केंद्र उनके कार्यों में सहायक बनेंगे। वहीं श्री शिव प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि यह केंद्र ग्रामीण विकास और जन सुविधा का एक मजबूत माध्यम सिद्ध होगा। इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की ब्लॉक इकाई के सभी पदाधिकारीगण तथा अनेक सम्मानित क्षेत्रीय गणमान्यजन भी उपस्थित रहे, जिन्होंने इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम के समापन पर केंद्र संचालक सूरज मिश्रा ने सभी आगंतुकों, अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए यह संकल्प दोहराया कि श्री बालाजी जन सेवा केंद्र सदैव निष्ठा व समर्पण के साथ जन सेवा में समर्पित रहेगा।

बेखौफ़चोरों ने एक और घर को बनाया निशाना

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जहां एक ओर शासन.प्रशासन अपराध रोकने के लिए कमर कसे है, वहीं दूसरी ओर अपराधी चकमा देकर अपने काम में सफल हो जाते हैं जबकि प्रदेश में अपराध रोकने के लिए कई एजेंसियां सक्रियता से काम कर रही हैं! अभी कुछ दिन पूर्व कमालपुर गांव में हुई चोरी की घटना का खुलासा हुआ भी नहीं था कि तभी चोरों ने एक और घर को निशाना बनाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली कछौना के ज्ञानपुर गांव में बीती रात सोते समय चोरों ने एक घर को निशाना बनाया! घर के मुखिया रामशंकर उर्फ फुद्दी पुत्र रुद्दा अपनी बेटी और दामाद के साथ घर के बाहर बरामदे में सो रहे थे, तभी उनके पड़ोस की छत से चोर घर में दाखिल हुए और अंदर से घर का दरवाजा बंद कर अलमारी व बक्से का ताला तोड़ते हुए एक लाख की नगदी व दो लाख के जेवर सहित तीन लाख रुपयों की चोरी की घटना को अंजाम दिया! एक बक्से का ताला न तोड़ पाने से वह उसे अपने साथ गांव के बाहर मक्के के खेत में उठा ले गएएजहां उसे खाली कर दिया। सुबह उठने पर जब घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला तो रामशंकर के होश उड़ गए। घर के अंदर पहुंचने पर कुंडी.ताले टूटे मिले और जेवर के खाली डिब्बे और सामान बिखरा पड़ा मिला। उन्होंने घटना की पूरी जानकारी पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही थाना अध्यक्ष प्रेमसागर मौके पर पहुंचे और घटना की विस्तृत जानकारी ली। थाना अध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है, साथ ही घटना का अनावरण करने के लिए टीम गठित कर दी गई है। क्षेत्र में हो रही लगातार चोरी की घटनाएं रुकने का नाम ले रही नहीं ले रही हैं, जिससे कि किसी बड़ी घटना होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है साथ ही सुरक्षा व्यवस्था की कार्यशैली पर भी प्रश्न उठ रहे हैं।

घटना की जानकारी देते रामशंकर उर्फ़ फुद्दी

नर्सिंग होम में रचा गया इतिहास, पहली बार रीढ़ की हड्डी का किया गया सफल ऑपरेशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। नगर के एक नर्सिंग होम में रचा गया इतिहास जिले के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण है। पहली बार हरदोई जिले में रीढ़ की हड्डी (Spinal Cord) का एक जटिल ऑपरेशन पूरी तरह से सफल रहा है। यह उपलब्धि हरदोई के वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक एवं स्पाइनल सर्जन डॉ० सुरेंद्र गहलोत और उनकी टीम द्वारा हासिल की गई, जो जिले के चिकित्सा इतिहास में मील का पत्थर साबित हुई है। मरीज जुगलु की हालत अत्यंत गंभीर थी।

एक महीना पहले छत से गिरने से उसकी रीढ़ की हड्डी में फ्रेक्चर होने से उसके दोनों पैर लकवाग्रस्त हो गए थे जिसका उपचार ऑपरेशन से ही संभव था, चूँकि मरीज की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी इसलिए बड़े शहरों में ऑपरेशन कराने में वह सक्षम नहीं था, मरीज की आर्थिक स्थिति को देखते हुए डॉक्टर गहलोत ने यह ऑपरेशन बहुत ही कम खर्च में हरदोई के सुप्रसिद्ध कटियार नर्सिंग होम में ही करने का निर्णय लिया, कटियार नर्सिंग होम के संचालक डॉक्टर अखिलेश पटेल को यथास्थिति से वाकिफ कराने के बाद इस जटिल ऑपरेशन को किया गया जोकि पूरी तरह से सफल रहा डॉ० सुरेंद्र गहलोत ने अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए यह सर्जरी सफलता पूर्वक पूरी की। ऑपरेशन के बाद रामचंद्र उर्फ जुगलु की हालत में तेजी से सुधार हो रहा है और अब वह धीरे-धीरे सामान्य जीवन की ओर लौट रहे हैं। सफल ऑपरेशन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ० सुरेंद्र गहलोत ने कहा कि यह सफलता हमारी पूरी मेडिकल टीम के समर्पण और मेहनत का नतीजा है। हमारा सपना है कि हरदोई में भी लोगों को बड़े शहरों जैसी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें जिससे वे समय पर इलाज पा सकें।

सावन महोत्सव में नृत्य संगीत मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

माधौगंज (हरदोई)। सावन महोत्सव कार्यक्रम में नृत्य, संगीत, मेहंदी, सावन गीत की प्रतियोगिता हुई। विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया।

कस्बे के एक गेस्ट हाउस में ओमर वैश्य महिला समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष रोजी गुप्ता ने मुख्य अतिथि पल्लवी ओमर आंचलिक मंत्री ओमर, महासभा कानपुर ने गणेश वंदना के साथ शुभारंभ किया। महिलाओं व बच्चों ने डांस, नृत्य, गायन, मेहंदी प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमे से वर्णिका ओमर, यशी, नाव्या, परी, वैष्णवी, सिया, शिवन्या को पुरस्कार से सम्मानित किया। विभिन्न प्रकार के खेल में सौम्या गुप्ता, मोना गुप्ता, जया गुप्ता, सीमा गुप्ता, पूजा गुप्ता, रुचि गुप्ता को पुरस्कार प्रदान किया गया। उपस्थित महिलाओं ने मेंहदी प्रतियोगिता में भाग लिया। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमो से पारम्परिक विरासतों को आने वाली पीढ़ी को सीखने का मौका मिलता है। प्राचीन लोकगीत, नृत्य व गायन आदि सांस्कृतिक विरासत बच्चों के लिए बहुउपयोगी है। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का समिति की महिला पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। अध्यक्ष ने सभी के प्रति आभार जताया।

समाजसेवी व डॉक्टर ने खून दान कर बनाया मानवता का रिश्ता

■ डॉक्टर्स का नैतिक कर्तव्य है मरीज कि हर संभव मदद करना: डॉ राजीव

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बताते चले शहर के अंकित सिंह परमार सामाजिक कार्यों को लेकर लगातार चर्चो मे रहते है ये अपनी टीम की मदद से जनपद व गैर जनपद मे सेवा कार्यों को अच्छे से कर पा रहे है। हाल ही मे सीतापुर के विश्वा गांव के रामदयाल कश्यप के बेटे विमल (10) का सड़क दुर्घटना मे हाथ पैर दोनों फैक्चर हो गए थे हालत गंभीर होने के कारण उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रिफर कर दिया गया ज्यादा खून निकल जाने के कारण डॉक्टर ने तुरंत 2 यूनिट ब्लड की अवश्यकता बताई वही के एक कर्मचारी ने परिवार को अंकित परमार का मोबाइल नंबर दिया जिस पर बच्चे के पिता ने अंकित परमार से तुरंत संपर्क किया अंकित ने अपनी टीम के डॉ राजीव कुमार सिंह को तुरंत भेजा जो कि हरदोई के कसरावाँ के रहने वाले है वर्तमान मे लखनऊ के ही किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (ट्रामा सेंटर ओ0टी0) मे कार्यरत है मौके पर पहुंचकर 1 यूनिट खून कि व्यवस्था कराई व 1 यूनिट स्वयं दिया ये उनका 12 बार डोनेशन था और टीम का 1218 यूनिट डोनेशन था। बताते चले अंकित कि टीम के सभी सदस्य अलग अलग तरह से हमेशा जरुरतमंदो कि मदद के लिए तत्पर रहते रहते है और समाज मे युवाओं के मध्य सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते है।

जलाभिषेक को निकली भव्य कांवर यात्रा में उमड़ी भीड़ को वीरांगना संस्थान ने वितरित किये फल-बिस्किट

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। पवित्र श्रावण मास में ग्राम मन्नापुरवा में रणधीर वर्मा (जिला मंत्री भाजपा अनु० मोर्चा) द्वारा आयोजित भव्य कांवर यात्रा में वीरांगना सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान की अध्यक्ष सुहाना जैन ने अपनी संस्था के सदस्यों के साथ शामिल होकर आरती-पूजन करके काँवारियों को फल-बिस्किट आदि वितरित किये एवं काँवरियों पर पुष्प वर्षा करके यात्रा को भोले बाबा के जलाभिषेक हेतु मेहंदीघाट के लिए रवाना किया।

ग्राम स्थित शिव मंदिर परिसर से बैंड-बाजे ढोल-नगाड़े और हाथों में ध्वज लिए बोल बम जयकारे के साथ ग्रामीणों एवं क्षेत्र के आसपास के श्रद्धालुओं की अपार भीड़ द्वारा सामूहिक काँवर यात्रा निकाली गई।

सुखेता नदी में आई भयंकर बाढ़, पुल डूबा, 300 बीघा फसल चौपट

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तहसील की सुखेता नदी में बाढ़ आने के कारण मिठनापुर, शरमा, खरगपुर पसगमा आदि गांवों की लगभग 300 बीघा फसल डूब गई है जिससे किसानों का काफी नुकसान होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। जिसमें 75 प्रतिशत फसल गन्ने की और 25 प्रतिशत फसल धान की बताई गई । अभी तक किसी भी प्रशासनिक अधिकारी ने बाढ़ग्रस्त एरिया का जायजा नहीं लिया है। पिछले दो दिनों से सुखेता नदी में पानी बढ़ रहा था। रात से ज्यादा पानी आ जाने की वजह से मिठनापुर और शरमा का पुल पूरी तरह से डूब चुका है । तटवर्तीय इलाके की गन्ने और धान की फसल डूब गयी। मिठनापुर के पूर्व प्रधान तेज प्रताप सिंह के अनुसार मिठनापुर गांव की सुखेता नदी के किनारे की गन्ने और धान की फसल पूरी तरह से बाढ़ की चपेट में है। तटवर्तीय इलाके के लोग सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। यही हाल शरमा गांव का है। खरगपुर गांव में भी पानी प्रवेश कर गया है। इन बाढ़ ग्रस्त एरिया में अभी तक प्रशासनिक स्तर से कोई भी अधिकारी निरीक्षण करने या ग्रामीणों का हाल.चाल लेने के लिए नहीं पहुंचा है।

बहन की हत्या का आरोप भाई ने ससुराल वालो पर लगाया

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। विवाहिता बहन की हत्या कर शव कुंडे से लटकाने का आरोप भाई ने ससुरालिजनो पर लगाया। महिला के विवाह के लगभग चार माह हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के गांव गौरा निवासी मटरू के पुत्र सलमान के साथ ग्राम रज्जाक पुर थाना सफीपुर जिला उन्नाव निवासी मो० नसीम की पुत्री आफरीन 19 वर्ष की शादी 5 अप्रैल को हुई थी। मृतका के भाई रफीक ने थाने में तहरीर में कहा कि रात साढ़े दस बजे बहन आफरीन ने मां को फोन कर बताया था कि उसकी सास, ननद गुलपसा व पति सलमान ने उसे मारा पीटा है और कमरे में बंद कर दिया है। वह लोग 2 लाख रुपया और चार पहिया की गाड़ी न देने पर उसे जान से मारने की धमकी देकर तलाक देने को कहा। बहन के ससुराल वालों ने सुबह 5 बजे फोन कर बताया कि उसकी बहन की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा। थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि पुलिस के पहुचने से पहले शव को परिजनों ने नीचे बेड पर उतार लिया था। फोरेंसिक टीम को जांच के लिए सूचना दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्यवाही की जाएगी।

भारतीय किसान यूनियन क्रांति के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। तहसील मुख्यालय पर गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन क्रांति के कार्यकर्ताओं ने 11 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंप कर कार्रवाई की मांग की। भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय पहुंचे। यहां पर एक 11 सूत्री ज्ञापन एसडीएम अंकित तिवारी को सौंप कर समस्याओं के निराकरण की मांग की गई । ज्ञापन में तहसील शाहाबाद के चठिया पावर हाउस से ग्रामीणों को बिजली देने, ग्राम कालागाड़ा से हसुआ तक सड़क का निर्माण करानेए टोडरपुर और पिहानी ब्लाक के पात्र लोगों को आवास आवंटन करनेए नदी में आए सैलाब के कारण किसानों के हुए नुकसान की जांच कराने, कोटेदारों द्वारा राशन वितरण में धांधली किए जाने आदि 11 मांगे दर्शीई गई है। इन सभी मांगों के लिए भारतीय किसान यूनियन क्रांति के कार्यकर्ताओं ने अविलंब निराकरण की मांग की है।

दो जुझारू नेताओं का निधन

भारतीय राजनीति से दो दिनों में दो कद्दावर नेताओं का निधन बड़ी शून्यता कायम कर गया है। 4 अगस्त को शिबू सोरेन का निधन हुआ और 5 अगस्त को सत्यपाल मलिक का। श्री सोरेन और श्री मलिक दोनों की राजनीति के तौर-तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिजाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अक्खड़पना, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं।

श्री सोरेन और श्री मलिक दोनों की राजनीति के तौर-तरीके अलग थे, दल अलग थे, विचारधारा अलग थी। लेकिन मिजाज दोनों का एक ही तरह का था, जुझारू, अक्खड़पना, जमीन से जुड़ाव और गांधी की भाषा में कहें तो अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति की फिक्र दोनों नेताओं की राजनीति के केंद्र में रही। शिबू सोरेन आदिवासियों के बड़े नेता थे, उन्हें झारखंड के लोग केवल दिशोम गुरु (समाज का गुरु) ही नहीं कहते हैं, बल्कि भगवान की तरह मानते हैं।

सत्यपाल मलिक का जनाधार बेशक शिबू सोरेन की तरह नहीं रहा, लेकिन उन्होंने भी गरीब, वंचित पीड़ित लोगों के हितों को तरजीह दी। शिबू सोरेन और सत्यपाल मलिक में सबसे बड़ी समानता यह रही कि सत्ता के साथ रहते हुए जी हुजूरी नहीं की और सत्ता के खिलाफ रहे तो खौफ नहीं खाया। साल 1944 में अविभाजित बिहार के हजारीबाग में जन्मे शिबू सोरेन के संघर्ष की शुरुआत अल्पायु में ही हो गई थी। उनके पिता सोबरन सोरेन की हत्या कर दी गई, क्योंकि उन्होंने आदिवासी इलाकों में फैले महाजनों के आतंक के खिलाफ आवाज उठाई थी। पिता के संघर्ष को आगे बढ़ाते हुए शिबू सोरेन ने भी महाजनी प्रथा के खिलाफ आवाज उठाई और धान कटनी आंदोलन चलाया। उन्होंने आदिवासियों को जागरूक किया कि धान लगाने वाला ही धान काटेगा और इस पर महाजनों का कोई अधिकार नहीं है। 70 से 80 के दशक में ये आंदोलन बहुत बड़ा हो गया, इसने झारखंड के किसानों, कामगारों और काश्तकारों को एकजुट किया, आदिवासियों को शोषण के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिलाई। इसी वजह से शिबू सोरेन को झारखंड के लोगों ने दिशोम गुरु की उपाधि दी। कई सालों तक शिबू सोरेन ने आदिवासियों के लिए रात्रि पाठशाला चलाई ताकि दिन भर अपना-अपना काम निपटाने के बाद आदिवासी पढ़ पाएं। शिक्षा के अलावा शराब और नशे से आदिवासियों को दूर करने की कोशिश भी शिबू सोरेन ने की। 1980 में पहली बार सांसद बनने के बाद जब उन्होंने संसद में भाषण दिया तो शराब के विरोध में बोले। शिबू सोरेन ने सामाजिक सुधार के साथ 1973 में राजनीति में कदम रखा, विनोद महतो और कामरेड एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना की। अविभाजित बिहार में प्राकृतिक संसाधनों का खजाना लिए दक्षिण के 26 जिलों को मिलाकर एक झारखंड राज्य बने, ऐसी कल्पना उन्होंने की। लंबे संघर्ष और राजनैतिक उठापटक के बाद आखिरकार 2000 में झारखंड राज्य बना, साथ में छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड भी बने। हालांकि झारखंड निर्माण के बाद कई बार राजनैतिक अस्थिरता बनी। इस दौरान शिबू सोरेन कभी लोकसभा, कभी राज्यसभा, कभी विधानसभा के सदस्य बनते रहे। विभिन्न दलों के साथ उनके वैचारिक, सैद्धांतिक टकराव हुए। दिल्ली की सत्ता पर बैठे लोगों के साथ उन्होंने समझौते भी किए, लेकिन इन सबके बीच आदिवासियों के हितों के उद्देश्य से गुरुजी एक बार भी नहीं भटके। आठ बार लोकसभा सांसद, दो बार राज्यसभा सांसद, दो बार विधायक बनने वाले शिबू सोरेन ने केन्द्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री जैसे पद संभाले, हालांकि कई तरह के मामले-मुकदमों और राजनैतिक उठापटक में वे अपना कार्यकाल कभी पूरा नहीं कर पाए। आज जब सत्ता पर किसी भी तरह बैठना ही कई नेताओं का अंतिम लक्ष्य बन गया है, तब शिबू सोरेन जैसे नेताओं के जीवन को याद करना चाहिए, जिन्होंने सत्ता से पहले नागरिकों का ख्याल रखा। सत्यपाल मलिक का भी राजनीतिक जीवन पांच दशक लंबा रहा। 1968-1969 में छात्र राजनीति से शुरुआत करते हुए श्री मलिक किसान नेता चौधरी चरण सिंह के करीब आए और 1974 में चुनावी राजनीति में उतरे। बागपत से विधानसभा का चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने। इसके बाद वे चौधरी चरण सिंह के साथ ही लोक दल में शामिल हो गए, उन्हें पार्टी का महासचिव बनाया गया। सत्यपाल मलिक 1980 में लोक दल की ओर से ही राज्यसभा पहुंचे। 1984 में वे कांग्रेस में शामिल हो गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 1986 में एक बार फिर राज्यसभा पहुंचाया। बोफोर्स मामला उठने के बाद श्री मलिक वी पी सिंह के नेतृत्व वाले जनता दल में शामिल हुए, 1989 में सांसद बने और केन्द्रीय राज्य मंत्री भी। इसके बाद 2004 में सत्यपाल मलिक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

मोबाइल खेल की हार, जीवन की हार क्यों बनी?

डॉ. सत्यवान सौरभ

बच्चों को तकनीकी उपकरणों से पहले भावनात्मक समर्थन, शिक्षा तंत्र में मानसिक स्वास्थ्य और परिवार में संवाद की ज़रूरत है। हार को जीवन की समाप्ति नहीं, सीख बनने देना होगा। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें, आँखों में सपने और जीवन में उमंग होनी चाहिए, उस उम्र में इंदौर के एक तेरह वर्षीय बालक ने आत्महत्या कर ली। कारण -एक मोबाइल खेल फ्री फायर में तीन हज़ार रुपये हार जाना। यह घटना केवल एक बालक की मृत्यु नहीं, बल्कि समाज की चुप्पी, माता-पिता की अनभिज्ञता और डिजिटल अंधकार की सच्चाई है। यह बालक सातवीं कक्षा का विद्यार्थी था। एक दिन पहले ही उसका जन्मदिन मनाया गया था। घर में मिठाई की खुशबू, गुब्बारों की चमक और मासूम हँसी की गूँज बाकी थी।

मोबाइल खेलों की बढ़ती लत बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही है। इंदौर में एक तेरह वर्षीय बालक ने फ्री फायर खेल में 3000 रुपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली, जो बताता है कि आज की पीढ़ी में हार सहने की क्षमता घटती जा रही है। यह केवल एक खेल की हार नहीं, बल्कि संवादहीनता, अभिभावकों की अनदेखी और भावनात्मक असुरक्षा की परतें खोलती है। बच्चों को तकनीकी उपकरणों से पहले भावनात्मक समर्थन, शिक्षा तंत्र में मानसिक स्वास्थ्य और परिवार में संवाद की ज़रूरत है। हार को जीवन की समाप्ति नहीं, सीख बनने देना होगा। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें, आँखों में सपने और जीवन में उमंग होनी चाहिए, उस उम्र में इंदौर के एक तेरह वर्षीय बालक ने आत्महत्या कर ली। कारण -एक मोबाइल खेल फ्री फायर में तीन हज़ार रुपये हार जाना। यह घटना केवल एक बालक की मृत्यु नहीं, बल्कि समाज की चुप्पी, माता-पिता की अनभिज्ञता और डिजिटल अंधकार की सच्चाई है। यह बालक सातवीं कक्षा का विद्यार्थी था। एक दिन पहले ही उसका जन्मदिन मनाया गया था। घर में मिठाई की खुशबू, गुब्बारों की चमक और मासूम हँसी की गूँज बाकी थी। लेकिन अगले ही दिन उसने अपने ही घर में फाँसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। क्यों? क्योंकि उसने एक मोबाइल खेल में तीन हज़ार रुपये गँवा दिए थे, जो उसने अपनी माँ के बैंक खाते से ऑनलाइन निकाल कर खर्च किए थे। इस घटना ने बहुत गहरे सवाल खड़े किए हैं- क्या मोबाइल खेल केवल मनोरंजन हैं या वे हमारे बच्चों की मानसिक शांति और आत्मसम्मान को निगलते जा रहे हैं? क्या हम बच्चों को तकनीकी ज्ञान तो दे रहे हैं, पर मानसिक सहारा, संवाद और संस्कार नहीं? बाल मन अत्यंत कोमल और संवेदनशील होता है। जब हम बच्चों को बिना दिशा-निर्देश और निगरानी के मोबाइल फोन थमा देते हैं, तो हम उन्हें एक ऐसी आभासी दुनिया में छोड़ देते हैं जहाँ हार का मतलब केवल हार नहीं, बल्कि आत्मसम्मान की समाप्ति बन जाता है। ''फ्री फायर'', ''पबजी'', ''बीजीएमआई'' जैसे युद्धक खेलों में हर क्षण जीतने का दबाव, प्रतिस्पर्धा की भावना और नकली पहचान की दौड़ बच्चों के मस्तिष्क पर बुरा प्रभाव डालती है। इन खेलों में हर 'विजय' एक नकली आनंद देती है और हर 'पराजय' एक गहरे दुःख का कारण बनती है। बच्चों को यह अनुभव नहीं हो पाता कि यह केवल एक खेल है, असली जीवन नहीं। जब वे इन खेलों में हारते हैं, तो वे इसे अपने जीवन की हार मान लेते हैं। यही हुआ अक्लंक के साथ। माता-पिता की भूमिका इस पूरी घटना में सबसे महत्वपूर्ण है। माता-पिता बच्चों को मोबाइल देते समय यह समझने में असफल हो जाते हैं कि वह उपकरण केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि आज की पीढ़ी के लिए संपूर्ण संसार बन चुका है। बच्चा जब मोबाइल पर खेल में हारता है, और उस पर?कार पड़ती है, तो वह डबल आघात सहता है – एक हार का और दूसरा उपेक्षा का। बालक की माँ ने जब उसे डांटा, तो वह उसके लिए सामान्य माँ की झिड़की नहीं थी, वह उसके लिए स्वयं के मूल्यहीन होने की मुहर थी। हम भूल जाते हैं कि बालक केवल हमारे शब्द नहीं, हमारे भाव भी ग्रहण करते हैं। माता-पिता यदि संवाद के स्थान पर केवल डाँट और आदेश देंगे, तो बच्चे डर और अपराधबोध में जीने लगते हैं। आज हर घर में मोबाइल है, पर क्या हर घर में भावनात्मक संवाद है? क्या माता-पिता दिन में पाँच मिनट भी यह पूछते हैं कि बेटा, तुम कैसा महसूस कर रहे हो? क्या स्कूल में कोई शिक्षक बच्चों से यह पूछता है कि तुम्हें कोई बात मानसिक रूप से परेशान तो नहीं कर रही? हम परीक्षा में अंकों पर ध्यान देते हैं, पर बच्चे के मन में उठते तूफानों पर नहीं। मोबाइल खेलों के माध्यम से बच्चों में जो मानसिक विकृति उत्पन्न हो रही है, वह केवल मनोरंजन की बात नहीं रह गई है। यह अब मानसिक स्वास्थ्य का गंभीर संकट बन चुकी है। इन खेलों में लगातार खेलने से मस्तिष्क में डोपामिन नामक रसायन का उत्सर्जन होता है, जो आनंद की अनुभूति कराता है। लेकिन यह आनंद क्षणिक होता है, और उसकी लत लग जाती है। बच्चा फिर वास्तविक जीवन में संतोष नहीं पाता, और आभासी दुनिया में ही अपनी पहचान खोजने लगता है। इन खेलों में जब पैसे भी जुड़ जाते हैं, तो स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। एक बार मोबाइल में बैंक खाता या भुगतान माध्यम जुड़ जाए, तो बच्चा जाने-अनजाने में हजारों रुपये खर्च कर देता है। माता-पिता को इसकी जानकारी तब होती है जब नुकसान हो चुका होता है। इसका समाधान केवल तकनीकी नियंत्रण नहीं है। समाधान है- संवाद, स्नेह, समझ और सतर्कता। माता-पिता को चाहिए कि मोबाइल में पालक नियंत्रण अनुप्रयोग, खेल समय सीमा, ऑनलाइन भुगतान रोकथाम, जैसे साधनों का प्रयोग करें। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि वे अपने बच्चों के जीवन में भागीदार बनें- उनसे बात करें, उनके साथ समय बिताएँ और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे केवल अंकों, उपलब्धियों या जीत से नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व से प्रिय हैं। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता होना अनिवार्य किया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में भावनात्मक शिक्षा, हार-जीत की समझ, आत्मसम्मान और आत्मरक्षा जैसे विषयों को स्थान दिया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि हार कोई अभिशाप नहीं, बल्कि सीखने का अवसर है। सरकार को भी मोबाइल खेलों पर नियंत्रण के कठोर नियम बनाने चाहिए। बारह वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए भुगतान वाले खेल प्रतिबंधित किए जाएँ, भुगतान प्रणाली में माता-पिता की स्वीकृति आवश्यक हो, और हर मोबाइल सेवा में बाल संरक्षण प्रणाली लागू की जाए। यदि हम इन बातों पर समय रहते ध्यान नहीं देंगे, तो ऐसी घटनाएँ सामान्य होती जाएँगी। वर्ष 2023 में भी कई राज्यों से ऐसी घटनाएँ सामने आई थीं, जहाँ बच्चों ने केवल खेल में हारने के कारण आत्महत्या कर ली थी। यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। आइए, हम यह संकल्प लें कि हमारे घरों में मोबाइल भले हो, पर उससे बड़ी चीज़ संवाद हो। हम बच्चों को केवल उपकरण न दें, उन्हें अपना समय, सहारा और साथ दें। हम उन्हें बताएं कि कोई भी खेल, कोई भी परीक्षा, कोई भी गलती- जीवन से बड़ी नहीं होती। एक बालक की आत्महत्या से यदि हम सबक नहीं लेंगे, तो हम आने वाले पीढ़ियों के साथ अन्याय करेंगे। इसीलिए, आइए, एक नई शुरुआत करें- जहां मोबाइल हो, पर उस पर माता-पिता की दृष्टि हो; जहां खेल हो, पर जीत-हार से परे प्रेम हो और जहां बच्चे हों, वहाँ केवल मौन नहीं, संवाद भी हो।

एक हथिनी 'माधुरी' के बहाने धर्म का पुनर्पाठ

स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

नांदणी जैन मठ की गजलक्ष्मी हथिनी माधुरी, जो 35 वर्षों से मठ की सेवा में थी, को पेटा की याचिका पर जामनगर भेजा गया था, जिससे जैन समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंची थी। न केवल महाराष्ट्र में बल्कि समूचे जैन समाज में आक्रोश को देखते हुए महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने इसमें दखल दिया और उसकी पहल पर याचिका दायर करने और आपराधिक मामलों को वापस लेने की घोषणा के साथ माधुरी की घर वापसी संभव हो गई है। निश्चित ही यह फडणवीस सरकार का एक संवेदनशील एवं सूझबूझभरा निर्णय है, जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है। क्योंकि माधुरी, नांदणी जैन मठ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी और जैन समुदाय की भक्ति और समर्पण का प्रतीक थी। मैं कोई साधारण प्राणी नहीं। मैं उन हजारों श्रद्धालुओं की भावनाओं का मूर्तरूप हूं, जिन्होंने मुझे केवल देखा नहीं, बल्कि पूजा है। मेरा नाम 'माधुरी' है, पर मैं नाम से कहीं अधिक हूं। मैं उस मठ की चुप्पी में गूंजती प्रार्थना हूं, जहां मैंने 35 वर्षों तक सेवा, संयम और संस्कृति की छाया में सांस ली।ङ्क यदि 'माधुरी' बोल सकती, तो शायद यही कहती, क्योंकि उसका मौन, उसका निर्विकार भाव, उसके नेत्रों में बसी करुणा, इन सबने वर्षों तक नांदणी जैन मठ को जीवंत रखा। वह एक जीव नहीं, धर्म की आत्मा बनकर असंख्य श्रद्धालुओं की संवेदनाओं, आस्था एवं भक्ति से जुड़ी थी नांदणी जैन मठ की यह गजलक्ष्मी हथिनी केवल एक वन्य प्राणी नहीं थी, वह जैन धर्म में ल्लजीव मात्र के प्रति करुणाङ्क के अमूल्य सिद्धांत का सजीव प्रतीक थी। उसका मठ में रहना, उसका पूजन, उसकी सेवा, यह सब किसी हिंसक बंधन का परिणाम नहीं था, बल्कि धार्मिक समर्पण की अभिव्यक्ति थी। पेटा जैसी संस्थाएं केवल जीव के शरीर को देखती हैं, उसकी आत्मा, उसके सांस्कृतिक स्थान और परंपरा में निहित गरिमा को नहीं। यही कारण था कि उसकी जबरन वनतारा में रवानगी केवल एक स्थानांतरण नहीं, बल्कि धर्म के हृदय पर आघात था। माधुरी प्रकरण ने एक जटिल प्रश्न को जन्म दिया, क्या धर्म अब भी स्वतंत्र है, या वह राजनीतिक और कानूनी भूलभुलैया में उलझ चुका है? क्या जीवों की सेवा और उनके साथ प्रेम का संबंध, कानून की अंधी परिभाषाओं से परे नहीं देखा जा सकता? राजनीतिक हस्तक्षेप ने बार-बार धर्म की गरिमा को चुनौती दी है। परंतु इस बार महाराष्ट्र सरकार, विशेषतः मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जो निर्णय लिया, वह सराहनीय, साहसी और धर्म-समभाव से प्रेरित प्रतीत होता है। सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका, दर्ज प्रकरणों की वापसी की घोषणा, ये निर्णय केवल न्यायिक नहीं, आध्यात्मिक चेतना से प्रेरित प्रतीत होते हैं। जैन धर्म का मूल आधार है पर्यावरण के साथ सह-अस्तित्व और जीवों के प्रति अहिंसक व्यवहार। यह दर्शन मात्र प्रवचनों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवनचर्या का अंग है। माधुरी उसी जीवनचर्या की प्रतिछाया थी। उसकी देखभाल, सेवा, पूजा-इन सबके माध्यम से नांदणी मठ ने पीढ़ियों को यह सिखाया कि एक जीव के साथ कैसा प्रेममय आत्मीय रिश्ता हो सकता है। जब उसे वनतारा ले जाया गया, तो यह केवल एक हथिनी का मठ छोड़ना नहीं था, बल्कि पर्यावरण-धर्म की एक जीवित पाठशाला का अवसान था। जिस समाज ने माधुरी को देवीतुल्य सम्मान दिया, वह समाज उसके हरण को केवल कानूनी आदेश नहीं मान सकता था। यह जनआस्था की, सामूहिक करुणा की और धार्मिक सम्मान की सामूहिक पराजय थी। परंतु अब, जब पुनः माधुरी की वापसी की संभावना जीवित हुई है, तो यह धर्म और न्याय की संयुक्त विजय है। माधुरी केवल एक हथिनी नहीं, वह मठ की आत्मा की भौतिक अभिव्यक्ति है, यही इस समूचे विमर्श का सार है। यह केवल माधुरी की वापसी की बात नहीं, बल्कि उस सम्मान की पुनर्स्थापना है जो सेवा, करुणा और जीवदया में निहित है। वर्तमान युग में सरकारों का धार्मिक मामलों में संवेदनशीलता दिखाना दुर्लभ है। परंतु फडणवीस सरकार का यह निर्णय दर्शाता है कि जब शासन तंत्र, न्याय प्रणाली और धार्मिक समुदाय मिलकर कार्य करें, तो न्याय और श्रद्धा का नया युग संभव है। सरकार द्वारा इस प्रकरण में आयोजित अति संवेदनशील बैठक में जहां विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, मैं भी इस बैठक का हिस्सा बना। निश्चित ही बैठक में राज्य सरकार का यह प्रयास एवं निर्णय की सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका और प्रकरण वापसी की घोषणा, एक संवेदनशील लोकतंत्र की परिपक्व पहचान है। यह दर्शाता है कि सरकार न केवल कानून का पालन करती है, बल्कि समाज की आत्मा की धड़कन भी सुनती है। अब सरकार के प्रयासों से जब माधुरी मठ लौटेगी, तो वह अकेली नहीं होगी। उसके साथ लौटेगा धर्म का सम्मान, श्रद्धा का पुनर्निर्माण, करुणा का पुनराविष्कार और पर्यावरण के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की प्रेरणा। वह लौटेगी तो धर्म केवल ग्रंथों में नहीं, जीवन में दिखाई देगा। वह लौटेगी तो हर जैन मठ, हर मंदिर, हर जीवात्मा को यह भरोसा मिलेगा कि श्रद्धा और न्याय को कुछ समय के लिए विलंबित किया जा सकता है, पर पराजित नहीं। माधुरी की वापसी केवल एक हथिनी की वापसी नहीं, वह समूचे मानवता की संवेदना की विजय है। महाराष्ट्र सरकार अपने इस निर्णय के लिए धन्यवाद की पात्र है। धन्यवाद के पात्र वे भी हैं जिन्होंने माधुरी की करुण पुकार को न्याय में परिवर्तित करने का यत्न किया। माधुरी का सम्मान और धर्म का योगदान केवल किसी एक जीव के प्रति सहानुभूति का विषय नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की संवेदनाओं की कसौटी है। राजनीति को यदि जनभावनाओं की सच्ची प्रतिनिधि बनना है, तो उसे केवल वोट और शक्ति के गणित से नहीं, बल्कि समाज की आत्मा से संवाद करना होगा। माधुरी प्रकरण में महाराष्ट्र सरकार ने जिस तरह धार्मिक अस्मिता और जनसंवेदनाओं का सम्मान करते हुए न्यायोचित हस्तक्षेप किया, वह एक अनुकरणीय दृष्टिकोण है, जिसमें धर्म को न राजनीति का उपकरण बनाया गया और न उपेक्षा की गई, बल्कि उसे संवेदना और संस्कृति की धुरी मानकर संजोया गया। यही वह राह है, जिससे राजनीति जनसेवा और धर्म, जनमानस की आत्मा बन सकते हैं। जैन धर्म का मूल आधार अहिंसा है, पर यह अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से दूर रहने तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक जीव के प्रति करुणा, संवेदना और सेवा भाव की गहन जीवनशैली है। जैन आचार्य और तपस्वियों ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि अपने आचरण से यह सिद्ध किया कि जीव मात्र में आत्मा है, और प्रत्येक आत्मा पूज्य है। यही कारण है कि जैन मुनि पांव में चप्पल नहीं पहनते, चलते समय झाड़ू से मार्ग बुहारते हैं ताकि कोई सूक्ष्म जीव भी अनजाने में आहत न हो। इतिहास में ऐसे असंख्य प्रसंग मिलते हैं जब राजाओं ने भी जैन धर्म के प्रभाव में आकर हिंसा का त्याग किया और जीवदया के लिए गोशालाएं, पक्षीचिकित्सालय और जलाशय बनवाए। भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन जीवों के प्रति करुणा का आदर्श है, उन्होंने कहा, सव्वे पाणो पियायरा यानी सभी प्राणी प्रिय हैं। यही भाव आगे चलकर जैन समाज की सामाजिक संरचना में गहराई से समाहित हो गया। आज भी जैन धर्म के अनुयायी जीवों के कल्याण के लिए सेवा प्रकल्पों में अग्रणी हैं, चाहे वह बीमार पक्षियों के लिए चिकित्सालय हों, घायल जानवरों के लिए रेस्क्यू सेंटर हों, या निराश्रित पशुओं के लिए आश्रय स्थल। माधुरी जैसी एक हथिनी का मठ में पूज्य स्थान पाना, उसकी सेवा और सुरक्षा में समाज का समर्पण, यही तो जीवदया की उस परंपरा का जीवंत प्रमाण है जो अतीत से वर्तमान तक निरंतर बहती रही है। जैन धर्म का यह दृष्टिकोण हमें केवल मनुष्यों से प्रेम नहीं सिखाता, बल्कि सृष्टि के हर कण में बसते जीवन के प्रति करुणा का भाव विकसित करता है। यही करुणा, यही संवेदना धर्म को जीवंत बनाती है और मानवता को दिव्यता की ओर ले जाती है।

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की।

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र। विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं। विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, ल्लसंसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।ङ्कचुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए। संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी। विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच ल्ललोक का मंदिरङ्क है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

डीएम एम फंड से कराये जा रहे कार्यों का डीएम ने जांच कराने का दिया निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बृहस्पतिवार को उदयन सभागार में अधिकारियों की बैठक कर जनपद में निर्माणाधीन परियोजनाओं की निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष, एकेडमिक ब्लॉक व कंप्यूटर लैब के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि 15 सितम्बर तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण कराए जाए। इसके साथ ही उन्होंने जिला समन्वयक,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय को निरन्तर भ्रमण कर निर्माण कार्यों का अनुश्रवण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में कंप्यूटर लैब का निर्माण का समयबद्ध न कराने पर कार्यदाई संस्था यू.पी.सी.एल.डी.एफ. के विरुद्ध जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों में ट्रांजिट हॉस्टल आदि निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान कहा कि श्रमिकों की संख्या बढ़ाकर 15 सितम्बर तक निर्माण कार्य पूर्ण कराकर हैंडओवर कराया जाय। उन्होंने प्रोजेक्ट अलंकार की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता यूपी सिडको से कहा कि एक सप्ताह में राजकीय विद्यालयों में बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाय तथा अन्य निर्माण कार्यों को भी शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

जिलाधिकारी ने राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में नर्सिंग कॉलेज व हॉस्टल का निर्माण कार्य तथा कल्याण मण्डपम चरवा व कार्यालय अधिशासी अधिकारी के बाउंड्रीवॉल का निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। डी.एम.एम. फंड से कराये जा रहे कार्यों की टीम गठित कर जांच कराने के निर्देश दिये। उन्होंने पीएम इंटर्नशिप के अंतर्गत युवाओं को इंटर्नशिप कराने में लापरवाही पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी कार्यदाई संस्थाओं को इंटर्नशिप कराने के निर्देश दिये। सेंटर आफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स के निर्माण कार्य की प्रगति समीक्षा के दौरान कहा कि पायी गयी कमियों को दूर कराकर शीघ्र हैंडओवर करा दिया जाय। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी का शिकार युवक को पुलिस ने दिलाया न्याय

उन्नाव। थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के चौरापुर गांव निवासी एक युवक के साथ गूगल पे के जरिए हुई साइबर ठगी में पुलिस ने सराहनीय कार्यवाही करते हुए पीड़ित के खाते में 4,000 रुपये की सम्पूर्ण धनराशि वापस कराई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद में साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस ने यह कार्यवाही की। पीड़ित युवक आशीष ने 19 जुलाई 2025 को ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके साथ गूगल पे के माध्यम से 4,000 रुपये की ठगी हुई है। शिकायत प्राप्त होने पर कोतवाली सदर की साइबर टीम ने मामले की जांच करते हुए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और 7 अगस्त 2025 को युवक के खाते में ठगी गई पूरी धनराशि रिफंड कराई। जनपद पुलिस ने एक बार फिर यह साबित किया कि साइबर अपराध से निपटने के लिए वह तत्पर और सक्षम है। कार्यवाही करने वाली टीम में शामिल रहेः प्रभारी निरीक्षक अवनीश कुमार सिंह, अपराध निरीक्षक राजेश कुमार यादव, महिला आरक्षी सोनिया शर्मा।

उर्वरक दुकानों का हर दिन होगा भौतिक सत्यापन

- खाद वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश, 156.90 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। गुरुवार को जिला कृषि अधिकारी शशांक एवं सहायक आयुक्त व सहायक निबंधक सहकारिता रविंद्र कुमार सिंह द्वारा जनपद के बफर गोदामों का निरीक्षण कर उर्वरक का भौतिक सत्यापन किया गया। इस दौरान उन्होंने कई उर्वरक बिक्री केंद्रों पर स्वयं की निगरानी में किसानों को खाद का वितरण भी कराया। अधिकारियों ने बताया कि जनपद के समस्त उर्वरक बिक्री केंद्रों पर हर दिन भौतिक सत्यापन किया जाएगा। इसके लिए सभी क्षेत्रीय कर्मचारियों को निर्देशित कर दिया गया है कि वे अपनी निगरानी में खाद वितरण सुनिश्चित करें। जानकारी दी गई कि आज जनपद की विभिन्न सहकारी समितियों जैसे आसीवन, नवीनगर खेरवा, इफको बाजार अचलगंज, पंसारी अहाता, छुही, अकोहरी, गुलरिहा, सहरावा, रूरीसादिकपुर, अतरधनी, बांगरमऊ संघ, गढ़ी फतेहपुर 84, व सादिकपुर – को कुल 156.90 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक की आपूर्ति की गई है, जिसका वितरण किसानों में किया जा रहा है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और आगे भी मांग के अनुसार आपूर्ति जारी रहेगी।

सभी उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे खाद की बिक्री निर्धारित मूल्यों और संस्तुत मात्रा के अनुसार ही करें। बिना खतौनी खाद की बिक्री न की जाए और स्टॉक रजिस्टर व वितरण रजिस्टर अद्यतित रखें। साथ ही, प्रत्येक किसान को कैश मेमो/बिल देना अनिवार्य किया गया है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं पर उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1975 के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। कृषकों से अपील की गई है कि वे उर्वरक का भंडारण न करें तथा किसी समस्या की स्थिति में कंट्रोल रूम नंबर 783982173, 9214848105 पर कार्य दिवस में सुबह 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक संपर्क करें।

बेनहर स्कूल की छात्राओं ने एसपी को बांधी राखी

- पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी नगर ने बंधवायी राखी, सुरक्षा का दिया संकल्प

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। गुरुवार को पुलिस कार्यालय में एक भावपूर्ण और अनोखे कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर और क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव (ऋष्ट) ने बेन-हर इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं से राखी बंधवाकर रक्षाबंधन के पावन पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर दोनों अधिकारियों ने छात्राओं से संवाद करते हुए रक्षाबंधन के महत्व और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल प्रेम और स्नेह का प्रतीक है, बल्कि सुरक्षा और जिम्मेदारी की भावना भी जाग्रत करता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उन्नाव पुलिस महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने छात्राओं को अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सतत प्रयासरत रहने और समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्राओं ने राखी बांधकर अधिकारियों को अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और पुलिस की सेवाओं की प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान आत्मीय माहौल देखने को मिला, जिसने रक्षाबंधन के इस पर्व को और भी विशेष बना दिया।

एसएसई ने किया पुल का निरीक्षण

शुक्लागंज उन्नाव। इसी साल मार्च में इस पुल की अप लाइन के स्लीपरों को बदलने का काम सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। तब से, रेलवे अब डाउन लाइन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसी सिलसिले में, लखनऊ से आए सीनियर सेक्शन इंजीनियर (एसएसई) ब्रिज, नाहर सिंह मीना ने गुरुवार को पुल का निरीक्षण किया। उन्होंने संभावित स्लीपरों की टेस्टिंग भी की। रेलवे इस परियोजना में नई तकनीक वाले एच-बीम स्लीपरों का उपयोग करेगा, जैसा कि अप लाइन पर किया गया था। एसएसई मीना ने पुल पर एक एच-बीम स्लीपर को रखकर उसकी लंबाई, चौड़ाई और फिटिंग की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को सूचित करने के लिए सफ़ेद पेंट से निशान भी लगवाए। इस टेस्टिंग का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि नए स्लीपर मौजूदा ढांचे में सही ढंग से फिट हो सकें। एसएसई मीना ने बताया कि इस टेस्टिंग की रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। एक बार जब लखनऊ से हरी झंडी मिल जाएगी, तो डाउन लाइन के स्लीपरों को बदलने का काम तुरंत शुरू कर दिया जाएगा।

गूगल पे फ्रॉड में साइबर ठगी का हुआ रिफंड पीड़ित को वापस मिले 1.20 लाख रुपये

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। साइबर अपराध के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस ने एक अहम सफलता हासिल की है। गूगल पे कस्टमर केयर के नाम पर हुई ठगी के शिकार एक व्यक्ति को 1.20 लाख रुपये की राशि रिफंड कराई गई है। पीड़ित ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद साइबर टीम ने गंभीरता से जांच करते हुए धनराशि की वापसी सुनिश्चित कराई। पीड़ित इस्तियाक अहमद, जो कानपुर नगर के परमपुरवा जूही कॉलोनी निवासी हैं और वर्तमान में सिंचाई विभाग, जनपद उन्नाव में कार्यरत हैं, ने अपनी पत्नी आयशा खातून के साथ 28 दिसंबर 2024 को ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि गूगल पे के कस्टमर केयर नम्बर को इंटरनेट पर खोजने के दौरान एक फ्रॉड कॉलर ने उनसे संपर्क किया और बातचीत के जरिए 1.74 लाख रुपये की ठगी कर ली।

कोतवाली सदर की साइबर टीम ने तत्काल प्रभाव से जांच शुरू की और तकनीकी माध्यमों से ट्रांजेक्शन को ट्रैक करते हुए 1.20 लाख रुपये की राशि को सुरक्षित करते हुए पीड़ित के खाते में वापस जमा करा दिया।

पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन में जनपद पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर नियंत्रण व पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन लेन-देन या सहायता के लिए केवल अधिकृत वेबसाइट और कस्टमर केयर नम्बर का ही उपयोग करें तथा किसी भी अनजान कॉलर को अपनी बैंक जानकारी न दें।

आपसी रंजिश के चलते युवक की चाकू से घर कर हत्या दूसरा गंभीर रूप से घायल

शुक्लागंज-उन्नाव। थाना गंगाघाट क्षेत्र के मोहल्ला 16 बीघा में बुधवार रात आपसी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच हुई खूनी संघर्ष में एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए कानपुर हैलट अस्पताल भिजवाया, जहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने हत्या, मारपीट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना बुधवार रात करीब 9रू30 बजे की है। मोहल्ला 16 बीघा में रहने वाले दो पक्षों के बीच किसी पुरानी रंजिश को लेकर कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। प्रथम पक्ष के सुल्तान (24) और उसका भाई फैज उर्फ नवाब (18) पुत्रगण पीर मोहम्मद, निवासी जनपद बलिया हालपता 16 बीघा गंगाघाट, तथा द्वितीय पक्ष के कमल हसन पुत्र नवी हसन (18), निवासी ग्राम तौरा थाना पुरवा हालपता 16 बीघा के बीच झगड़ा हो गया।

संक्षिप्त समाचार

बाढ़ से पीड़ितों को तत्काल दिलाया जाये मुआवजा

बांदा। बांदा सहकारी क्रम विक्रय समिति संचालक व भाजपा नेता राकेश बाजपेई ने मंत्री सहित डीएम व सीएमओ को ज्ञापन सौंपकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में तत्काल सरकारी मदद व दवाओं को छिड़काव आदि की मांग की है। मंत्री को दिये ज्ञापन में भाजपा नेता बाजपेई ने बताया है कि तिंदवारी विधानसभा क्षेत्र के जसपुरा ब्लाक में पिछले दिनों आई भीषण बाढ़ के कारण क्षेत्र के चन्दवारा, अमचौरी, महबरा, लसड़ा, गोरगवां, तगड़ा डेरा, पंडवन डेरा, नांददेव, शंकरपुरवा आदि में कई दिनों तक जलभराव रहने के कारण संक्रामक बीमारियों को प्रकोप बढ़ सकता है। इसको ध्यान में रखते हुए दवाओं को तत्काल छिड़काव कराया जाये। बाढ़ के कारण किसानों की लगभग 80 प्रतिशत फसल बर्बाद हो चुकी है। जिसका सर्वे कराकर तत्काल मुआवजा दिलाया जाये।

अभियान के तहत दस वाहनों का हुआ चालान

बांदा। परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में अनधिकृत रूप से संचालित सवारी/यात्री वाहनों के संचालन में मौजूद सुरक्षा खतरों, वाहन फिटनेस, मानकों का उल्लंघन एवं गैर कानूनी संचालन के वाहनों के विरूद्ध विस्तृत जाँच एवं प्रवर्तन अभियान चलाकर कार्यवाही की गयी। अभियान के दौरान परिवहन विभाग, बाँदा द्वारा विभिन्न 2 यात्री वाहनों को मंडी समिति चौकी कालू कुआं में निरूद्ध किया गया है वहीं 10 वाहनों का चालान किया।

समाजसेवी रज्जन सिंह यादव ने जन्म दिवस पर शिव मंदिर में भंडारे का किया आयोजन

पुरवा - उन्नाव । पुरवा के प्रसिद्ध शिव मंदिर बिलेश्वर महादेव मंदिर में गुरुवार को वरिष्ठ समाजसेवी रज्जन सिंह यादव का जन्म दिवस धूम - धाम से मनाया गया। जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने पहुंच कर शुभकामनाएं दी। पुरवा क्षेत्र के रज्जन सिंह यादव पहचान के मोहताज नहीं है।उनकी लोकप्रियता दिन दिन बढ़ती जा रही है। वरिष्ठ समाजसेवी निवासी धर्मापुर विकास खंड असोहा तहसील पुरवा जनपद उन्नाव का आज जन्म दिवस बिल्लेश्वर महादेव मंदिर पुरवा में मनाया गया।जिसमें नैना गौतम व राजेश पाल द्वारा आल्हा गायन का आयोजन किया गया। लखनऊ से दर्जनों लग्जरी गाड़ियों का काफिला लेकर मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना कर भोले बाबा का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में पहुंचे सैकड़ों लोगों ने रज्जन सिंह यादव को जन्म दिवस की बधाइयां दी और माल्यार्पण कर मुंह मीठा कराया। जन्म दिवस के अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र की जनता ने प्रसाद ग्रहण किया।कार्यक्रम में सपा नेता सी एल यादव,पूर्व प्रमुख राजकुमार रावत,पंकज यादव,आकाश यादव सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

तिलहन मिनीकिट के लिए 15 अगस्त तक किसान करें आवेदन

कौशाम्बी। उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार तिवारी ने जनपद के किसानों को जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सहायतित निःशुल्क तिलहन बीज मिनीकिट योजना के अंतर्गत पंजीकृत किसानों के लिए तोरिया फसल के लिए 2 किग्रा0 बीज निःशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। इस योजना का लाभ उठाने के लिए किसान भाइयों को कृषि विभाग की ऑनलाइन साइट थद्दन्द्वदथन्पद्धथद्व.फ्रद्धफ.द्वद्व के द्वारा जनसेवा केन्द्रों के माध्यम से अथवा किसान भाई अपने स्मार्ट फोन के द्वारा 15 अगस्त 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय किसान पंजीकरण संख्या, मोबाइल नम्बर व आधार की आवश्यकता होती है। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है कि जो किसान भाई वर्षा के कारण खरीफ की बुवाई नही कर सके या बाढ़ के कारण खेत खाली रह गये हों वे इस योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। चयन के उपरान्त एक किसान को 2 किग्रा. की तोरिया बीज का एक मिनीकिट प्राप्त होगी। अधिक आवेदन प्राप्त होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से किसानों का चयन किया जायेगा तथा चयनित किसानों को पी0ओ0एस0 मशीन के माध्यम से सम्बन्धित विकास खण्ड में स्थित कृषि विभाग की बीज गोदामों से बीज मिनीकिट का वितरण किया जायेगा।

जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया सरलीकृत करने की मांग

- राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बांदा ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। गुरूवार को राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बांदा ने जिलाधिकारी से वार्ता कर जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया सरलीकृत एवं समयबद्ध करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष पंकज सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में परिषदीय विद्यालयों में नामांकन का कार्य चल रहा है। विगत वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष नए नामांकन काफी कम हो रहा है। उसके पीछे प्रमुख कारण बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड ना होना है। ग्रामीण अंचल के अभिभावक जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु नगर पालिका एवं सचिव आदि के चक्कर लगा रहे। परंतु उनके जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे हैं।

नगरपालिका में जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु दिए गए आवेदनों में एक भी आवेदन क्रम से नहीं रखे हैं और न ही उन पर हुई कार्रवाई की जानकारी किसी अभिभावक को दी जाती है। अभिभावक कई बार किराया भाड़ा लगाकर आता है और नगर पालिका कार्यालय के चक्कर लगाकर वापस चला जाता है।

परेशान होकर वह जन्म प्रमाण पत्र बनवाने का इरादा छोड़ देता है। इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के जन्म प्रमाण पत्रों हेतु ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा कोई रुचि नहीं ली जा रही जिससे ग्रामीण क्षेत्र का अभिभावक परेशान हो रहा है। बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया का सरलीकरण एवं समयबद्ध करने हेतु अपने स्तर से आदेशित करने की मांग की गई है। जिससे आसानी से सभी को जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त हो सके और परिषदीय विद्यालयों का नामांकन बढ़ सके। परिषदीय विद्यालयों में ग्राम पंचायत द्वारा दिव्यांग शौचालयों का निर्माण कराया गया है जिनकी गुणवत्ता बहुत ही घटिया किस्म की है। मानकविहीन, बिना निर्धारित नापतोल के घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करते हुए दिव्यांग शौचालयों का निर्माण कराया गया है। किसी-किसी दिव्यांग शौचालय में तो पानी निकलने की ही व्यवस्था नहीं है। किसी किसी को सेप्टिक टैंक से ही नहीं जोड़ा गया है। केवल कमोड सीट रखकर दिव्यांग शौचालय तैयार कर दिया गया है। टायलीकरण भी एकदम घटिया किस्म का है। वर्तमान समय में एक भी दिव्यांग शौचालय प्रयोग करने लायक नहीं है,ना ही इनका उपयोग किया जा रहा है।

काकोरी घटना पर गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आज होगा आयोजन

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे.रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आज काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत दिनांक 8 अगस्त 2025 को रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज के सभागार में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने काकोरी ट्रेन एक्शन से संबंधित चित्र प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किए जाने हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के लिए जनरेटर ,साउंड , पेयजल एवं अन्य वयस्था करने के निर्देश अधिकारीगण को निर्देश दिए। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं उनके परिवारों को सम्मानित किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर 12 विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे जिसमें कृषि, उद्यान, नेडस,जिला विद्यालय एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी आदि विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों से संबंधित स्टाल लगाकर लोगों को जानकारी दी जाएगी।

भोलेनाथ की धूमधाम से हुई मूर्ति विसर्जन शोभा यात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाँदा। सावन मास के पावन अवसर पर बोल बम काँवड़ ग्रुप-1,महेश्वरी देवी चौक के तत्वाधान में अध्यक्ष प्रेम मौर्य के नेतृत्व में भोलेनाथ की भव्य पूजा-अर्चना के उपरांत मूर्ति विसर्जन यात्रा का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया।भोलेनाथ की प्रतिमा महेश्वरी देवी मंदिर से प्रारंभ होकर स्टेशन के पुल से होते हुए नदी तट पर सम्पन्न हुआ।इस दौरान भक्तों ने गाजे-बाजे,भजन-कीर्तन और उत्सव के माहौल में भगवान शिव की आराधना की।विसर्जन यात्रा में मोहल्ले की अनेक श्रद्धालु महिलाएं और युवक शामिल हुए।उपस्थित प्रमुख भक्तों में पूजा मौर्य, बबली मौर्य,अंजना मौर्य,पूनम मौर्या,प्रीती साहू,सुमन साहू,दीपा धुरिया,माही मौर्य,अंकिता मौर्य,अनवी साहू,नंदनी धुरिया,सुनीता धुरिया आदि रही।सभी ने मिलकर कीर्तन-आरती की और शिवभक्ति में लीन हो गए।इस अवसर पर लालू राजपूत,सत्यम धुरिया, हर्षित साहू,अनुज,शिवकुमार,रामचंद्र चौरसिया,सुरेश साहू,नंदकिशोर, जितेंद्र धुरिया,सूर्यांश धुरिया,सक्षम मौर्य आदि श्रद्धालुओं ने अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई।

अपने बीएलए शीघ्र नियुक्त करें सभी राजनैतिक दलः डीएम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिलाधिकारी श्रीमती जे0 रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेªट में उत्तर प्रदेश विधान परिषद इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान स्थलों की आलेख्य सूची 2025-2026 एवं आगामी पुनरीक्षण हेतु बीएलए नियुक्त किये जाने के सम्बन्ध में समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राजनैतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन हेतु अपने बीएलए शीघ्र नियुक्त करें। उन्होंने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदेय स्थलों की जानकारी देते हुए बताया कि कुल 18 मतदेय स्थल प्रस्तावित किये गये हैं। इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्य का कार्यकाल 07 दिसम्बर, 2026 तक है। विधिक प्राविधानों के अनुसार जिस वर्ष खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचन होना है निर्वाचक नामावली निर्वाचन वर्ष के पूर्ववर्ती वर्ष 2025 में तैयार की जानी है। उन्होंने बताया कि आयोग के निर्देशानुसार आगामी विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण शीघ्र ही प्रारम्भ होने वाला है, इस हेतु प्रत्येक बूथ पर आपके द्वारा बूथ लेवल एजेन्ट (बीएलए) आयोग द्वारा नियत प्रारूप फार्म बीएलए-2 पर नियुक्त किया जाना है तथा पूर्व में बीएलए फार्म सहित पूर्ण जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन हेतु तैयार की गयी मतदेय स्थलों आलेख्य सूची 2025-26 इस अनुरोध के साथ उपलब्ध करायी जा रही है कि इस सम्बन्ध में आपका कोई सुझाव/आपत्ति हो तो लिखित रूप से 11 अगस्त, 2025 तक जिला निर्वाचन कार्यालय बॉदा में उपलब्ध करा दें तथा आपके दल द्वारा बूथ लेवल एजेन्ट को नियुक्त करते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय एवं सम्बन्धित उप जिलाधिकारी/ईआरओ को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की मौत

सफीपुर-उन्नाव। घर खाना खाने जा रहे बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी जिसमें बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे परिजनों उसे लेकर सी एच सी पहुंचे जहां चिकित्सक ने घायल युवक को मृत घोषित कर दिया।मौत की खबर घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।परिजनों के साथ सी एच सी पहुंची मृतक की पत्नी और मां बदहवास हो गई।परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन गृह भेजा। कोतवाली क्षेत्र के दाराब नगर (लिलौरी) गांव निवासी सोम यादव 32 वर्ष पुत्र कृष्णकुमार यादव जो मियागंज मार्ग स्थित मोहिखेड़ा गांव के शराब की दुकान पर सेल्स मैन का कार्य करता था जहां से वह खाना खाने अपने घर बाइक से जा रहा था तभी सफीपुर रसूलाबाद मार्ग पर सारदा नहर के समीप अज्ञात ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

बाँदा के कवि दम्पत्ति को मिला मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद के प्रसिद्ध साहित्यकार दम्पत्ति डा. बृजेश कुमार गुप्ता मेवादेव और उनकी अर्धांगिनी वर्षा गुप्ता संप्रभा को मुंशी प्रेमचंद साहित्य रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। यह आयोजन जयपुर के सियाम आडिटोरियम, दुर्गापुरा में हुआ, जिसमें देश भर के 23 राज्यों से साहित्यकारों ने भाग लिया।कार्यक्रम का आयोजन अभाकाम संस्था द्वारा किया गया, जिसके महासचिव डा. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि इस बार साहित्यकारों को पाँच श्रेणियों में कुल 1,48,357 की पुरस्कार राशि वितरित की गई। यह सम्मान पिछले तीन वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है, और इस वर्ष नगद पुरस्कारों की संख्या 15 से बढ़ाकर 57 कर दी गई। डा. बृजेश एवं वर्षा गुप्ता को शॉल, दुपट्टा ओढ़ाकर, प्रतीक चिन्ह व प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में संस्था अध्यक्ष अजीत सक्सेना सहित भामाशाह रतन सक्सेना, धर्मेंद्र कमठान, राधेगोविंद माथुर आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर लगभग 100 से अधिक साहित्यकारों, भामाशाहों व विशिष्ट अतिथियों को भी सम्मानित किया गया। इस साहित्यिक समारोह में डा. बृजेश गुप्ता व वर्षा गुप्ता को काव्य पाठ के पश्चात शॉल, शील्ड और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

प्रश्न: निविदा संख्या डब्लू- सी.बी.-सी.सी.टी.वी. -2025-02 के संबंध में संशोधन सूचना।

संदर्भ: निविदा सूचना संख्या: उ.रे./आर.एस.डब्लू./मुंबई/सी.सी.टी.वी./2025/02 दिनांक: 11.07.2025

कार्य का विवरण: 880 एम.ई.एम.यू. (MEMU), डी.ई.एम.यू. (DEMU) और ई.एम.यू. (EMU) कोचों तथा 3-फेज एयर कंडीशंड ए.सी. ई.एम.यू. (AC/EMU) कोचों में IP आधारित वीडियो निगरानी प्रणाली (VSS) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कमीशनिंग (SITC)।

उपरोक्त निविदा दस्तावेज में निम्नलिखित संशोधन किए गए हैं:

क्रम सं.	विवरण	पूर्व निर्धारित	संशोधित
1	निविदा बंद होने की तिथि व समय	12.08.2025, 15:00 बजे	21.08.2025, 15:00 बजे

निविदा की अन्य सभी शर्तें यथावत रहेंगी। सभी संशोधन www.ireps.gov.in वेबसाइट पर देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सं. डब्लू- सी.बी.-सी.सी.टी.वी. -2025-02 दिनांक: 07.08.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2414/25

कुंभी गोला ब्लॉक में सीडीओ का औचक निरीक्षण, आधे कर्मचारी गैरहाज़िर

- नियमित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटा, संविदा कार्मिकों का मानदेय रोका
- बिना सूचना अनुपस्थित कर्मियों पर सख्त कार्रवाई, निर्माणाधीन सीडीपीओ ऑफिस की स्थिति देख जताई नाराजगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। ब्लॉक कुंभी गोला में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया जब सीडीओ अभिषेक कुमार ने अचानक ब्लॉक कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मिली अव्यवस्था पर अफसर ने सख्त रुख अपनाया और संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। सीडीओ जब कार्यालय पहुंचे तो उपस्थिति रजिस्टर की जांच में खुलासा हुआ कि 30 में से 15 कर्मचारी अनुपस्थित हैं। इनमें से 10 संविदा और 5 नियमित कर्मचारी बिना किसी सूचना के गायब पाए गए। इस पर नाराजगी जताते हुए सीडीओ ने निर्देश दिए कि नियमित कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटा जाए और संविदा कार्मिकों का मानदेय तत्काल प्रभाव से बाधित किया जाए।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय की छत बरसात के कारण जगह-जगह से टपकती मिली, जिससे कर्मचारी भी परेशान दिखे। सीडीओ ने इस लापरवाही पर नाराजगी जाहिर करते हुए बीडीओ को छत की मरम्मत शीघ्र कराने के निर्देश दिए। सीडीओ अभिषेक कुमार ने साफ शब्दों में कहा कि जनहित से जुड़े कार्यालयों में अनुशासन और उत्तरदायित्व सर्वोपरि है। लापरवाही करने वालों के विरुद्ध कठोर कदम उठाए जाएंगे। अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई की जाएगी और निर्माण कार्यों में देरी करने वालों की जवाबदेही तय की जाएगी।

निर्माणाधीन कार्यालय का काम ठप, भड़के सीडीओ

सीडीओ अभिषेक कुमार ने निरीक्षण के दौरान ब्लॉक परिसर में निर्माणाधीन बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय का भी जायजा लिया। मौके पर कोई काम नहीं चल रहा था, मजदूर नदारद थे और निर्माण सामग्री बिखरी पड़ी थी। इसपर सीडीओ ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को तत्काल कार्य शुरू कराने और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शेरपुर में श्री रूद्रमहायज्ञ का छठा दिन धूमधाम से सम्पन्न, 51 जोड़ों ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। शेरपुर गांव में चल रही श्री रूद्रमहायज्ञ के छठे दिन यज्ञाचार्य पंडित पवन कुमार बाजपेई की अगुवाई में वैदिक मंडल ने यजमानों से सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चार कर हवनकुंड में आहुतियां डलवायीं। भक्तों ने यज्ञपुरुष भगवान की परिक्रमा कर पुण्य लाभ कमाया। यज्ञाचार्य पवन कुमार बाजपेई ने यजमानों सहित 51 जोड़ों को पार्थिव शिवलिंग बनाकर क्षेत्र व ग्राम की सुख समृद्धि व जनकल्याण हेतु सामूहिक रुद्राभिषेक कराया। आचार्य पवन कुमार जी ने बताया कि पार्थिव शिवलिंग का गौदुग्ध से अभिषेक करने से संतान की प्राप्ति होती है, लक्ष्मी जी प्राप्ति के लिए गन्ने के रस से, मोक्ष प्राप्ति के लिए गंगाजल से, श्री प्राप्ति के लिए शहद से अभिषेक करना फलदाई होता है। कथाव्यास पंडित रामकिंकर शुक्ल ने श्रीमद्भागवत से महाराजा वलि की पावन कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि यदि संगति अच्छी हो तो दुष्ट व्यक्ति भी सुधर सकता है। ठाकुर वैद्यनाथ सिंह ने रामचरितमानस से भगवान शिव और सतीजी का पावन प्रसंग सुना कर सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। रुद्राभिषेक में अजमान अंजनी कुमार, आशीष कुमार, श्याम किशोर, अतुल तिवारी, राम जी, विजय कुमार, बृज बिहारी सहित अनुराग कुमार, सत्रोहन लाल, गंगाराम शुक्ला, विनोद कुमार, सतीश कुमार, कुलदीप मिश्र, संतकुमार, शिवम कुमार, मोनू शुक्ल सहित अन्य तमाम श्रद्धालुओं ने अभिषेक किया। कल इस महायज्ञ की पूर्णाहुति विशाल भंडारे के साथ की जाएगी।

तहसील गोला क्षेत्र बाढ़ प्रभावित गांव में लंच पैकटो के वितरण से ग्रामीणों के खिले चेहरे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विधानसभा गोला क्षेत्र के गांवों में शारदा नदी की आई बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में उप जिलाधिकारी युगांतर त्रिपाठी के नेतृत्व मे प्रमुख लोगों के सहयोग से लंच पैकटो का वितरण किया गया। अधिकारियों ने शारदा नदी बाढ़ के पानी को नाव से पार कर बाढ़ प्रभावित बेचेपूर्वा, रूरा सुल्तानपुर,बेल्हा करसौर बंधा, जंगल नंबर नो ,मुड़िया, नई बस्ती बाग, जोहर गुजारा आदि ग्रामों में आज लंच के पैकटो का वितरण किया गया। लंच के पैकेट प्राप्त कर ग्रामीणों में हर्ष की लहर दौड़ गई। लंच पैकेट वितरण कार्यक्रम में चप जिला अधिकारी युगांतर त्रिपाठी, तहसीलदार भीमचंद, ब्लैक प्रमुख प्रतिनिधि बिजुआ भूषण राज पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अजय गिरी सहित तमाम अधिकारी एवं सम्मानित नागरिक मौके पर उपस्थित थे।

सीडीओ ने रायपुर ग्रंट व गरथानिया का किया निरीक्षण

लखीमपुर खीरी। सीडीओ अभिषेक कुमार ने गुरुवार को विकासखंड कुंभी अंतर्गत ग्राम पंचायत रायपुर ग्रंट और गरथानिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई अनियमितताएं उजागर हुईं, जिस पर सीडीओ ने संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। ग्राम पंचायत गरथानिया में सीडीओ ने जल जीवन मिशन की निर्माणाधीन परियोजना का जायजा लिया।निरीक्षण में पाया गया कि निर्माण कार्य पिछले कई महीनों से बंद पड़ा है, जिससे ग्रामीणों को नल से जल योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर सीडीओ ने गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए जल जीवन मिशन के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि कार्य को तत्काल पुनः प्रारंभ किया जाए और गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को शीघ्र नल कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध हो सके। सीडीओ ने ग्राम पंचायत रायपुर ग्रंट में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया।

रक्षाबंधन से पहले ठप हुई डाक सेवाएं, दिव्यांगों और किसानों को भुगतानों में अड़चन

- छह दिन से धौरहरा डाकघर में डिजिटल सेवाएं बंद, जरूरतमंद काट रहे चक्कर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। रक्षाबंधन जैसे पावन पर्व से पहले जब घर-परिवारों में खुशियों की तैयारियां चल रही हैं, उसी वक्त धौरहरा उप डाकघर की डिजिटल सेवाओं का ठप होना कई जरूरतमंदों के लिए चिंता और परेशानी का कारण बन गया है। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के खाताधारक–जिनमें विधवा महिलाएं, दिव्यांगजन और किसान सम्मान निधि के लाभार्थी शामिल हैं–पिछले छह दिनों से अपने भुगतानों के लिए डाकघर के चक्कर काटने को मजबूर हैं। लेकिन तकनीकी खराबी और सिस्टम अपडेट न हो पाने की वजह से उन्हें हर दिन मायूसी के साथ खाली हाथ लौटना पड़ रहा है।

डाकघर के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें लग जाती हैं। तेज बारिश और उमस के बीच बुजुर्ग महिलाएं, दिव्यांग और गरीब ग्रामीण घंटों इंतजार करते हैं, उम्मीद लिए कि आज शायद भुगतान हो जाएगा। लेकिन हर दिन उन्हें यही सुनने को मिलता है–सिस्टम डाउन है, कल आइए। स्थानीय लोगों का कहना है कि छह दिन बीत जाने के बावजूद न तो समस्या का समाधान हुआ, न ही कोई स्पष्ट जानकारी दी जा रही है। कर्मचारी भी असहाय नजर आते हैं, क्योंकि उनके पास भी कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। इससे पहले भी ऐसी तकनीकी समस्याएं देखने को मिली हैं, लेकिन त्योहारों के ठीक पहले इस तरह की अव्यवस्था लोगों की भावनाओं पर चोट कर रही है। रक्षाबंधन जैसे त्योहार पर, जहां एक बहन को अपने भाई से रक्षा-सूत्र के साथ तोहफ़े की उम्मीद होती है, वहीं भुगतान में देरी ने कई घरों की तैयारी अधूरी छोड़ दी है। अब सवाल यह है कि क्या डाक विभाग समय रहते अपनी सेवाएं सामान्य कर पाएगा? या फिर सरकारी सिस्टम की यह सुस्ती फिर एक बार आम आदमी की उम्मीदों पर भारी पड़ेगी?

मंडी समिति द्वारा निर्मित गोला सिकंदराबाद रोड से कैमहरा लिंक मार्ग हुआ जर्जर

- ग्रामीणों ने मंडी समिति के अधिकारियों पर लगाया अनदेखी का आरोप
- एक बार बनाकर भूल गये मरम्मत करवाना

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। गोला सिकंदराबाद मार्ग पर कैमहरा संपर्क मार्ग पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो जाने से आने-जाने वाले राहगीरों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आपको बताते चलें कि गोला सिकंदराबाद मार्ग पर कैमहरा जाने वाला संपर्क मार्ग जिस पर लगभग एक दर्जन से अधिक ग्रामो के लोगों का आवागमन रहता है। मंडी समिति से बनी यह रोड कई वर्षों से खस्ताहाल हालत में पड़ी हुई है। बरसात के मौसम में बने बड़े-बड़े गड्ढे जो कि छोटे मोटे तालाब का रूप ले लेते हैं। जिनमे राहगीरों को निकलने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं बच्चों को स्कूल जाने में भी भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस खस्ता हाल रोड को लेकर ग्रामीण अवध नारायण बाजपेई, कृष्ण कुमार बाजपेई, रमाकांत बाजपेई, अनिल कुमार बाजपेई, अतुल बाजपेई, प्रकाश नारायण बाजपेई, विनय बाजपेई क्षेत्र पंचायत सदस्य,अनुज बाजपेई, कुलदीप बाजपेई, मैना देवी क्षेत्र पंचायत सदस्य, रामदुलारे भार्गव, सर्वजीत सिंह ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द इस रोड का निर्माण कराया जाए। जिससे हम लोगों को होने वाली दिक्कतों से निजात मिल सके।

13 सितंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, समझौते से निपटेंगे हजारों मामले

लखीमपुर खीरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर 13 सितंबर 2025 (शनिवार) को जनपद न्यायालय लखीमपुर खीरी एवं तहसील न्यायालयों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा। जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष सैयद माऊज बिन आसिम के निर्देशानुसार इस अदालत में पक्षकार आपसी सुलह-समझौते के जरिए अपने वादों का त्वरित निस्तारण करा सकेंगे। नोडल अधिकारी अपर जिला जज अभिषेक कुमार श्रीवास्तव व सचिव वीरेन्द्र नाथ पांडेय ने बताया कि अदालत में यातायात व लघु आपराधिक प्रकरण,नगर पालिका व बिजली-पानी से जुड़ी शिकायतें, बैंक ऋण व चेक बाउंस (धारा 138 एनआई एक्ट), पारिवारिक, व्यवहारिक व उत्तराधिकार संबंधी वाद,राजस्व वाद एवं मनरेगा जैसी योजनाओं से जुड़े मामलों का निस्तारण किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने सभी वादकारियों से अपील की है कि वे 13 सितंबर को आयोजित लोक अदालत में भाग लें और आपसी सहमति से अपने मामलों का निस्तारण कराकर लाभ उठाएं।

डीएम के आदेश की उड़ाई धज्जियां, कीचड़-पानी में मासूमों को बुलाया स्कूल

- प्रबंधक बोला–जिसे जो करना हो करे
- धौरहरा ब्लॉक के पब्लिक एकेडमी लालजीपुरवा में नियमों की खुली अवहेलना, मान्यता भी संदिग्ध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। जब जिला प्रशासन भारी बारिश और खराब मौसम को देखते हुए स्कूलों को बंद रखने का आदेश जारी कर रहा है, वहीं धौरहरा ब्लॉक के लालजीपुरवा स्थित पब्लिक एकेडमी के प्रबंधक ने डीएम के आदेशों को ताक पर रखकर मनमानी शुरू कर दी है। इस मनमानी का खामियाजा भुगत रहे हैं मासूम छात्र, जिन्हें स्कूल प्रशासन ने कीचड़ और पानी से भरे परिसर में बुला लिया। न गलियों में रास्ता है, न परिसर में साफ-सफाई। भारी बारिश के बावजूद छोटे बच्चों को जान जोखिम में डालकर स्कूल आने के लिए मजबूर किया जा रहा है। और जब इस गैरजिम्मेदाराना फैसले पर सवाल उठाया गया, तो प्रबंधक का जवाब था ऽ ñजिसे जो करना हो करे, स्कूल तो खुलेगा ही।ñ यह बयान न सिर्फ प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना है, बल्कि बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ भी सीधा खिलवाड़ है। स्कूल की मान्यता को लेकर भी सवाल खड़े हो गए हैं। खंड शिक्षा अधिकारी (उक्) ने खुद कहा है कि ñसंभवतः स्कूल की मान्यता केवल कक्षा 5 तक ही है, जबकि स्कूल में इससे ऊपर की कक्षाएं भी संचालित की जा रही हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस पूरे मामले में संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। न तो किसी ने स्कूल की मान्यता की स्थिति स्पष्ट की, और न ही इस मनमानी पर कोई कार्रवाई होती दिखाई दे रही है।

अब बड़ा सवाल यह है- क्या एक स्कूल प्रबंधक डीएम के आदेश से ऊपर हो गया है? क्या बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई नहीं होगी? और सबसे महत्वपूर्ण – शिक्षा विभाग की चुप्पी क्या किसी बड़े संरक्षण की ओर इशारा कर रही है?

संक्षिप्त समाचार

बैदाखेडा में शीशम के पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, पहचान नहीं हो सकी

अज़ान खीरी। हैदराबाद थाना क्षेत्र के ग्राम बैदाखेडा में गांव के उत्तर गोला की तरफ एक शीशम के पेड़ पर युवक का शव लटकता मिला। गले में सफ़ेद रस्सी कसी थी। उसकी पहचान नहीं हो सकी है। क्षेत्र के गांव बैंदा खेड़ा के उत्तर की तरफ गोला की ओर प्लाटिंग वाली जगह में बृहस्पतिवार की सुबह टहलने के लिए गए ग्रामीणों ने एक युवक का शव शीशम के पेड़ पर रस्सी के सहारे फंदे में लटके देखा। युवक ने काली जींस पेंट व मेहरून कलर की शर्ट पहन रखी थी और उसके पैर नंगे थे। युवक के पैर से खून निकल रहा था और दोनों पैरों के पंजे पर खून लगा हुआ था। किसी ग्रामीण ने घटना की सूचना हैदराबाद व गोला पुलिस को दी। सूचना पर हैदराबाद व गोला पुलिस मौके पर पहुंचकर घटनास्थल की जांच की। मौके पर शव को देखकर लग रहा था कि युवक की किसी ने अन्य स्थान पर हत्या की गई है। शव की शिनाख्त न हो सके इसलिए शव को यहां लटका दिया है। पुलिस ने लोगों की मदद से युवक के शव की शिनाख्त कराने के लिए प्रयास किए, लेकिन कोई सफलता नहीं मिल सकी। लोगों के मुताबिक़ मृतक युवक की उम्र करीब 38 से 40 के बीच होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।इस संबंध में हैदराबाद थाना प्रभारी सुनील मलिक ने बताया कि हैदराबाद व गोला थानों के सीमावर्ती इलाके की घटना है दोनों थानों की पुलिस फोर्स पहुंची थी अभी तक युवक की पहचान नहीं हो सकती है जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आरएलएम समूहों के बैंको में लम्बित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चित करें: डीएम

बांदा। जिलाधिकारी बाँदा श्रीमती जे.रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टेझट सभागार में बैंक प्रतिनिधियों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने बैंक के शाखा प्रबन्धकों एवं प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं मुख्यमंत्री उद्यम विकास अभियांन, एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना ,आरएलएम समूहों के बैंको में लम्बित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बैकर्स को निर्देश दिये कि सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के आवेदन पत्रों की जांच के उपरान्त ऋण हेतु आवेदन हेतु पायी जाने वाली कमियों को सम्बन्धित आवेदकों को सूचित करते हुए उनसे पूर्ण करायें। उन्होंने ओडीओपी योजना के, अवशेष लंबी आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश बैंकर्स को दिएस, उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड एवं फसल बीमा के करब पोर्टल पर लंबित आवेदनों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिएस उन्होंने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत किसानों को शीघ्र ऋण दिये जाने के लिए निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री अजय कुमार पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अन्तर्गत 21 से 40 वर्ष तक के 8वीं उत्तीर्ण आवेदक एमएसएमई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर, बैंको से ऋण प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे आवेदकों के बैंको में प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निस्तारण किये जाने के निर्देश दिये।

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने सफाई मित्रों व कर्मचारियों को बांधा रक्षा सूत्र

बांदा। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अंतर्गत नगर पालिका परिषद, बांदा में 5 से 9 अगस्त 2025 तक चल रहे बंधन स्वच्छता कार्यक्रम की कड़ी में 7 अगस्त को विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने नगर पालिका परिषद सभागार में मौजूद सफाई मित्रों व कर्मचारियों को रक्षा सूत्र बांधकर बुरी आदतों को त्यागने की शपथ दिलाई कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिशासी अधिकारी श्रीचन्द ने की। उन्होंने ब्रह्माकुमारी आश्रम से पधारी गीता दीदी, शालिनी दीदी सहित समस्त बहनों और भाइयों का अभिनंदन किया तथा रक्षाबंधन के इस पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य में आश्रम के उद्देश्यों और जनहित में किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आत्मा की पहचान उसके कर्म, विचार और संस्कारों से होती है।

10 दिवसीय 19 यूपी गर्ल्स बटालियन एनएनसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का पुरस्कार वितरण के साथ समापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ मुख्यालय के अंतर्गत 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी के तत्वावधान में कैंप कमांडेंट कर्नल (डॉ) दिनेश कुमार पाठक के नेतृत्व में तथा प्रशासनिक अधिकारी मेजर दिव्या शर्मा की देख-रेख में 2 एम टी बटालियन एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में 29 जुलाई 2025 से चल रहे दस दिवसीय शिविर का समापन पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती गंगोत्री पाठक, लेफ्टिनेंट कर्नल कविता रामदेवपुत्र भी उपस्थित रहे।

कैंप के समापन संबोधन में कर्नल (डॉ.) दिनेश कुमार पाठक ने कैडेट्स को प्रेरित किया कि एनसीसी से प्राप्त प्रशिक्षण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में उन्हें एक अच्छा नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आवश्यकता है प्राप्त शिक्षा को आत्मसात करने और व्यवहारिक जीवन में लागू करने की , ऐसा करके विकसित भारत की संकल्पना को सार्थक किया जा सकता है। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति को कैडेट्स ने मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शाया। इसके साथ ही शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं तत्क्षण वाक प्रतियोगिता, मानचित्र का अध्ययन, फील्ड सिगनल्स, फायरिंग, ड्रिल, लाईन एरिया, एकल नृत्य व गान, समूह नृत्य व गान के विजेता कैडेट्स तथा गार्ड कमांडर, पायलट, कंपनी सीनियर, अंबुश पार्टी के प्रतिभागी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। कैंप को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग के लिए एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों, केयर टेकर ऑफिसर्स, सैन्य एवं सिविल स्टाफ को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अल्फा कंपनी को शील्ड प्रदान की गई। एनसीसी गान, राष्ट्र गान तथा भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्रीराम क्षत्रिय सेना के प्रतिनिधिमंडल ने नीरज सिंह से की शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। श्रीराम क्षत्रिय सेना के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय जनता पार्टी के नेता नीरज सिंह से शिष्टाचार भेंट करके लखनऊ महानगर के भाजपा के संगठन में क्षत्रिय समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग की । श्रीराम क्षत्रिय सेना के संस्थापक /राष्ट्रीय अध्यक्ष जमुना बक्स सिंह ''निर्भय'', राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह चौहान ,प्रदेश मंत्री मुसाफिर सिंह,जिला अध्यक्ष विजय सिंह धाकरे, जिला संगठन मंत्री सम्राट सिंह राजावत,जिला मीडिया प्रभारी डी पी सिंह चौहान ,जिला मंत्री मान सिंह तोमर,श्याम सिंह राठौर ,डॉ एस पी सिंह चंदेल,जदुनाथ सिंह भदौरिया आदि उपस्थित रहे ।

सिराज को वह सम्मान नहीं मिलता जो मिलना चाहिए : तेंदुलकर

एजेंसी

नयी दिल्ली। लीजेंड बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उन कुछ भारतीय खिलाड़ियों की सराहना की है, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अहम भूमिका निभाई। यह सीरीज, आखिरी दिन के दिल थाम देने वाले अंत के बाद 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। तेंदुलकर ने 'अविश्वसनीय' मोहम्मद सिराज की तारीफ की, केएल राहुल के ऑफ स्टंप के आसपास अपने खेल को 'सटीक फ़ुटवर्क' के साथ कसने की बात कही, यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतकों, जज्बा और परिपक्वता की चर्चा की और शुभमन गिल के कप्तान के रूप में 'शांत और संयमित' रहने की भी तारीफ की।

इस सीरीज में कई मोड़, जोरदार टकराव और कुछ असाधारण व्यक्तिगत प्रदर्शन हुए, जैसे ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स का चोटिल होने के बावजूद बल्लेबाजी करने आना। पंत ने पांच में से चार टेस्ट खेले और दो शतक व तीन अर्धशतक लगाए, जिनमें आखिरी पारी उन्होंने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के साथ खेली। उन्होंने 68.42 की औसत और 77.63 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। तेंदुलकर ने रेडिट पर कहा, ''जो स्वीप शॉट उन्होंने खेला, उसमें वह गेंद के नीचे आना पसंद करते हैं ताकि उसे ऊंचाई के साथ स्कूप कर सकें। लोग सोचते हैं कि वह गिर गए हैं, लेकिन यह जानबूझकर किया गया है ताकि वह गेंद के नीचे आ सकें। ऐसे शॉट खेलने का राज यही है कि आप गेंद के नीचे आ सकें। यह एक योजना के तहत गिरना होता है, वह असंतुलित नहीं होते हैं। यह सब गेंद की लेंथ पर निर्भर करता है। पंत के शॉट खेलने के तरीके और उनमें जो 'पंच' होता है, उसे 'ईश्वर का वरदान' बताते हुए तेंदुलकर ने कहा, ''कई बार लोग सोचते हैं कि उन्हें यह शॉट नहीं खेलना चाहिए, यह सही समय नहीं है। लेकिन ऋषभ जैसे खिलाड़ी को अकेला छोड़ देना चाहिए। जब वह मैच बचाने की सोच रहे हो, तो उन्हें एक अलग तरीका अपनाना होगा। लेकिन उन्होंने यह समझ लिया है कि पारी को कैसे खेलना है, यह मैच की स्थिति पर निर्भर करता है। इस सीरीज में भारत के दो प्रमुख बल्लेबाज़ गिल और राहुल रहे, जिन्होंने क्रमशः 754 और 532 रन बनाए और मिलकर छह शतक लगाए। तेंदुलकर ने बताया कि दोनों बल्लेबाजों का 'सटीक फ़ुटवर्क' इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में देखने लायक था। कप्तान के रूप में गिल का रन योग डॉन ब्रैडमैन के 1936 में बनाए गए 810 रनों के बाद दूसरा सबसे अधिक था।

भारतीय निशानेबाजी लीग इस खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा: रोंजन सोढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपियन रोंजन सोढ़ी भारतीय निशानेबाजी लीग (एसएलआई) का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उन्होंने इसे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। भारत के सबसे प्रतिष्ठित ट्रैप निशानेबाजों में से एक, सोढ़ी ने कहा, ''लीग प्रारूप एक ऐसी चीज है जिस पर हम लंबे समय से चर्चा कर रहे थे। भारतीय निशानेबाजी में अब जिस तरह की गहराई है, उसे देखते हुए यह सही कदम है।'' उन्होंने आगे कहा, ''यह प्रशंसकों के लिए रोमांचक, युवा निशानेबाजों के लिए बेहतरीन और खेल के लिए बेहद जरूरी होगा। सोढ़ी ने आगे कहा, ''इस लीग में भारतीय निशानेबाजी को बदलने की क्षमता है। अब यह केवल पदकों के बारे में नहीं है। यह एक संस्कृति के निर्माण के बारे में है। सोढ़ी का मानना है कि युवा घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतिभाओं के लिए एक बेहतरीन मंच होने के अलावा, यह लीग खेल की लोकप्रियता को भी बढ़ाएगी।उन्होंने कहा, ''आप उस खेल से प्यार नहीं कर सकते जिसे आप देखते नहीं। बच्चों को प्रेरित होने के लिए उस खेल को देखना जरूरी है। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक जीतने से देश भर में रातोंरात भाला फेंक के टिकट बिक गए। यही दृश्यता की ताकत है। जब अंतरराष्ट्रीय सितारे और भारतीय ओलंपियन एक साथ टेलीविजन पर प्रसारित होने वाली, ऊर्जावान लीग में निशाना साधते हैं, तो यह एक ऐसा तमाशा बन जाता है जिसे लोग देखना और उसमें शामिल होना चाहेंगे। भारतीय निशानेबाजी लीग, जो 20 नवंबर से 2 दिसंबर, 2025 के बीच आयोजित होने वाली है, में तेज-तर्रार मिश्रित-टीम प्रारूप में आठ फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी। स्पर्धाओं में 10 मीटर और 25 मीटर पिस्टल, 10 मीटर और 50 मीटर राइफल (3पी), और शॉटगन (ट्रैप और स्कीट) शामिल होंगे। टीमें दो-पूल लीग चरण में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जिसमें खिलाड़ियों का चयन रणनीतिक रूप से एलीट चैंपियंस, वर्ल्ड एलीट, नेशनल चैंपियंस और जूनियर एवं यूथ चैंपियंस में किया जाएगा ताकि प्रतिस्पर्धी संतुलन बनाया जा सके। खेलो इंडिया और राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र जैसी योजनाओं के माध्यम से सरकारी समर्थन की प्रशंसा करते हुए, सोढ़ी ने कॉर्पोरेट भागीदारी की पुरज़ोर वकालत की। ''आप सिर्फ सरकार से ही खेलों के लिए धन की उम्मीद नहीं कर सकते। निशानेबाजी ने ओलंपिक, विश्व कप और एशियाई खेलों में लगातार पदक जीते हैं। अब समय आ गया है कि हम कुछ वापस दें। प्रायोजकों को इसे सिर्फ एक निवेश के रूप में नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय योगदान के रूप में देखना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

मैंने भारत के खिलाफ बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था: क्रिस वोक्स

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर क्रिस वोक्स का कहना है कि उन्होंने भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट मैच के आखिरी दिन कंधे की हड्डी खिसकने के कारण बल्लेबाजी नहीं करने के बारे में कभी नहीं सोचा था। उन्होंने हालांकि कहा कि जब उन्हें यह चोट लगी थी तब उन्हें लगा था कि क्या उनका करियर खतरे में है। वोक्स पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन अंतिम बल्लेबाज के रूप में उतरे तो उनका बायां हाथ पट्टे से बंधा हुआ था और उन्होंने इसे स्वेटर के अंदर डाला हुआ था। भारत ने यह मैच छह रन से जीता। वोक्स ने कहा कि उन्हें लगा कि ऐसा करना सभी के लिए उनका कर्तव्य है और उन्हें अब भी इस बात का दुख है कि इंग्लैंड मैच हार गया। इस तेज गेंदबाज को अभी अपने स्कैन के नतीजों को इंतजार है। वोक्स ने 'द गार्जियन' से कहा, ''मुझे नहीं पता कि यह क्या है। आप बस इतना जानते हैं कि आप किसी बड़ी चीज का हिस्सा हैं। आप सिर्फ अपने लिए ही नहीं खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह आपकी टीम और आपके साथियों की मेहनत और उनके द्वारा किए गए त्याग, घर पर और मैदान पर देखने वाले लोगों की मेहनत है। आप बस सबके लिए ऐसा करना अपना कर्तव्य समझते हैं। वोक्स ने कहा, ''मैं अब भी बहुत निराश हूं, सचमुच बहुत निराश हूं कि हम वह परीकथा नहीं बना पाए। लेकिन मैंने कभी मैदान पर नहीं जाने के बारे में नहीं सोचा, चाहे जीत के लिए 100 रन ही क्यों ना होते। वोक्स ने कहा कि दर्शकों के खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मैदान पर उतरना अच्छा लगा लेकिन वह अपने इस साहसिक कार्य को अधिक तवज्जो नहीं देते। उन्होंने कहा, ''तालियां बजना अच्छा लगा और कुछ भारतीय खिलाड़ी अपना सम्मान दिखाने आए। लेकिन कोई अन्य खिलाड़ी भी ऐसा ही करता। आप नौ विकेट गिरने के बाद मैच खत्म नहीं कर सकते थे। वोक्स ने खुलासा किया कि उन्होंने चौथे दिन से इंग्लैंड के सहायक कोच मार्कस ट्रेस्कोथिक के साथ एक हाथ से बल्लेबाजी का अभ्यास शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा, ''मैंने सामान्य रूप से एक गेंद खेली और यह बहुत पीड़ादायक था। वोक्स ने कहा, ''हमें जल्द ही समझ आ गया कि बाएं हाथ के बल्लेबाज की तरह खेलने से कंधे को सुरक्षा मिलेगी और कम से कम मुझे अपने ऊपरी हाथ को नियंत्रण में रखते हुए गेंद को रोकने में मदद करेगा। मैंने कुछ गेंद खेली, कुछ चूक गया लेकिन ऐसा लगा कि बचने का यही एकमात्र तरीका है। इंग्लैंड के इस सीनियर खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और उप कप्तान ऋषभ पंत के साथ हुई अपनी बातचीत का भी खुलासा किया जिन्होंने खुद चौथे टेस्ट में टूटे पैर के साथ बल्लेबाजी करते हुए इसी तरह का साहस दिखाया था। वोक्स ने कहा, ''शुभमन ने कहा कि यह अविश्वसनीय बहादुरी थी। उन्होंने कहा, ''मैंने उनसे कहा कि आपने एक अविश्वसनीय श्रृंखला खेली, शानदार खेल दिखाया और आपकी टीम को इसका श्रेय जाता है। वोक्स ने कहा, ''मैंने देखा कि ऋषभ (पंत) ने इंस्टाग्राम पर सैल्यूट इमोजी के साथ मेरी एक तस्वीर डाली थी तो मैंने उन्हें धन्यवाद देते हुए जवाब दिया कि 'प्यार के लिए शुक्रिया और उम्मीद है कि पैर ठीक होगा। उन्होंने आगे कहा, ''फिर उन्होंने मुझे एक वॉइस नोट भेजा जिसमें कहा था 'उम्मीद है सब ठीक होगा, उबरने के लिए शुभकामनाएं और उम्मीद है कि हम किसी दिन फिर से मैदान पर मिलेंगे।' मैंने टूटे हुए पैर के लिए माफी मांगी। इंग्लैंड की दूसरी पारी में एक भी गेंद का सामना नहीं करने वाले वोक्स ने कहा कि विकेटों के बीच दौड़ना सबसे मुश्किल था।

भारत ए के खिलाफ चार दिवसीय मैच के लिए कोन्सटास और मैकस्वीनी ऑस्ट्रेलिया ए टीम में

सिडनी। भारत के खिलाफ पिछली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट पदार्पण करने वाले सलामी बल्लेबाज सैम कोन्सटास और नाथन मैकस्वीनी को बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया 'ए' टीम में शामिल किया गया जो अगले महीने लखनऊ में भारत 'ए' टीम के खिलाफ चार दिवसीय दो मैच खेलेगी। कोन्सटास ने पिछली भारत-ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान मैकस्वीनी की जगह ली थी लेकिन शीर्ष क्रम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए। कैरेबियाई दौरे में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा जबकि उनकी टीम ने वेस्टइंडीज पर पूरी तरह से दबदबा बनाया। उन्नीस वर्षीय कोंस्टास 'ए' टीम में चुने गए मौजूदा टेस्ट टीम के एकमात्र खिलाड़ी हैं जबकि अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में मैकस्वीनी, कूपर कोनोली और स्पिनर टॉड मर्फी शामिल हैं। कोन्स्टास ने मेलबर्न टेस्ट में अपने पदार्पण पर काफी प्रभाव डाला था। उन्होंने आक्रामक अर्धशतक बनाया और भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली ने उन्हें कंधे से धक्का दिया था। बाद में उनकी अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ बहस भी हुई लेकिन वह शुरुआती उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। एकादश में जगह नहीं बना पाने के कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला से शेफील्ड शील्ड में खेलने के लिए वापस भेज दिया गया था। अब तक सात टेस्ट मैच खेलने वाले मर्फी ने 2022-23 में भारत दौरे के दौरान बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चारों मैच खेले और उस श्रृंखला में 14 विकेट लिए जिसमें ऑस्ट्रेलिया 1-2 से हार गया। ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं के अध्यक्ष जॉर्ज बेली के हवाले से 'क्रिकेट.कॉम.एयू' ने कहा, ''उपमहाद्वीप का दौरा कई अनूठी चुनौतियां और बल्ले और गेंद से विभिन्न कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इन परिस्थितियों का बार-बार अनुभव प्राप्त करने से खिलाड़ियों को भविष्य के उपमहाद्वीपीय दौरों के लिए अपने खेल की एक प्रभावी पद्धति और समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। लाल गेंद की टीम में पिछले महीने डार्विन में श्रीलंका ए के खिलाफ नाबाद 202 रन बनाने वाले जेसन संघा और भारत में टेस्ट खेलने का अनुभव रखने वाले मैथ्यू रेनशॉ की कमी खलेगी। चार दिवसीय दो मैच लखनऊ में 16-19 सितंबर और 23-26 सितंबर तक खेले जाएंगे जबकि तीन एकदिवसीय मैच क्रमशः 30 सितंबर, तीन और पांच अक्टूबर को होंगे। टीम इस प्रकार है: चार दिवसीय मैच: जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जैक एडवर्ड्स, आरोन हार्डी, कैंपबेल केलावे, सैम कोन्सटास, नाथन मैकस्वीनी, लांस मॉरिस, टॉड मर्फी, फर्गस ओनील, ओलिवर पीक, जोश फिलिप, कोरी रोचिचियोली और लियाम स्कॉट।

कनेडियन ओपन 2025 ओसाका ने टॉसन को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मॉन्ट्रियल। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता जापान की नाओमी ओसाका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को क्लारा टॉसन को हराकर कनेडियन ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। फाइनल मुकाबले में अब उनका सामना कनाडा की 18 वर्षीय टेनिस सनसनी विक्टोरिया मोबोको से होगा। ओसाका ने डेनमार्क की टॉसन को 6-2, 7-6 (9/7) से हराकर फाइनल में जगह बनाई। ये ओसाका का 2022 मियामी ओपन के बाद पहला डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल होगा और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद उनकी पहली टूर-लेवल खिताबी कोशिश होगी। मैच के पहले सेट में ओसाका ने पूरी तरह दबदबा बनाया, लेकिन दूसरे सेट में टॉसन ने वापसी की कोशिश की और दो बार ब्रेक लेकर मुकाबले को टाईब्रेक तक खींचा। टाईब्रेक में भी टॉसन को 6-4 की बढ़त के साथ दो सेट प्वाइंट मिले, लेकिन वह उन्हें भुना नहीं सकीं।

बेहतर फिटनेस, घटे हुए वजन और रफ्तार के साथ एशिया कप के लिये तैयार मनप्रीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। चौदह साल से अंतरराष्ट्रीय हॉकी खेल रहे मनप्रीत सिंह ने पिछले एक साल में फिटनेस के लिये कड़ी मेहनत की। मीठा और जंक फूड खाना लगभग बंद कर दिया ताकि इस महीने के आखिर में हो रहे एशिया कप से लेकर अगले साल एशियाई खेलों तक टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकें। भारत के लिये दिलीप टिर्की (412) के बाद सबसे ज्यादा 402 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले मनप्रीत ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,''पिछले साल पेरिस ओलंपिक और एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से मुझे लगा कि अगर कैरियर को विस्तार देना है तो फिटनेस पर काम करना होगा। तोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल बाद भारत को अपनी कप्तानी में कांस्य पदक दिलाने वाले 32 वर्ष के इस मिडफील्डर ने कहा ,'' मैं 30 पार हो चुका हूं और अब टीम के युवा खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिये उनके स्तर पर फिटनेस रखनी होगी । सिर्फ अनुभव से काम नहीं चलता। उन्होंने बताया कि किस तरह से उन्होंने अपने खानपान में बदलाव करके कई पसंदीदा चीजों को खाना लगभग बंद कर दिया। पंजाब के मीठापुर से निकलकर 2011 में 19 वर्ष की उम्र में भारत के लिये पदार्पण करने वाले इस खिलाड़ी ने कहा ,'' मैने मीठा और जंक फूड लगभग बंद कर दिया है । हफ्ते में एक दिन ही ऐसा कुछ खाता हूं लेकिन बहुत कम मात्रा में । जिम के अलावा भी कोर वर्कआउट, स्पीड पर काम करना शुरू किया और सात किलो वजन कम कर लिया। उन्होंने बताया ,'' कम वजन के साथ मैदान पर रफ्तार बेहतर हुई । योयो और स्पीड टेस्ट में भी बहुत अच्छे नतीजे मिले । मुझे खुद को बहुत अच्छा लग रहा है। मनप्रीत फिलहाल लॉस एंजिलिस में 2028 में होने वाले ओलंपिक के बारे में नहीं सोच रहे और उन्होंने कहा कि वह एशियाई खेलों के बाद ही आगे के लिये फैसला लेंगे। उन्होंने कहा ,''मेरा पहला लक्ष्य अगले साल होने वाले एशियाई खेल हैं और मैं जानता हूं कि मेरी फिटनेस उस स्तर की है। उसके बाद फिटनेस का आकलन करूंगा और अगर सही नहीं रही तो किसी दूसरे खिलाड़ी के लिये जगह खाली कर दूंगा। वैसे मैं क्रिस्टियानो रोनाल्डो को आदर्श मानता हूं जो 40 वर्ष की उम्र में भी इतना फिट है। मनप्रीत ने यह भी कहा कि भारतीय टीम फिटनेस के मामले में आस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, जर्मनी जैसी बड़ी टीमों से कमतर नहीं है और फर्क सिर्फ हाथ आये मौके भुनाने का है। उन्होंने कहा कि तोक्यो ओलंपिक से पहले ही टीम में बड़ी टीमों को हराने का आत्मविश्वास आ गया था। फिटनेस और कौशल के मामले में हम किसी से कम नहीं।

वेलाम्मल विद्यालय ने विश्व स्कूल टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

नयी दिल्ली। चेन्नई के वेलाम्मल विद्यालय ने अमेरिका के वर्जीनिया में आयोजित विश्व स्कूल टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी उपलब्धियों में और इजाफा किया है। सबसे युवा विश्व चैंपियन डी गुकेश और ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने इसी स्कूल से पढ़ाई की है। चेन्नई के मोगाप्पैर इलाके में स्थित वेलाम्मल विद्यालय शतरंज क्रांति के पीछे एक बड़ी ताकत रहा है क्योंकि यह सैकड़ों उभरते हुए शतरंज खिलाड़ियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान करता है। शतरंज की वैश्विक संचालन संस्था फिडे ने बृहस्पतिवार को लिखा, ''आठ रोमांचक दौर के बाद 2025 विश्व स्कूल टीम चैंपियनशिप आज वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में संपन्न हुई।'' उन्होंने कहा, ''एपिस्कोपल हाई स्कूल के खूबसूरत परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवा शतरंज खिलाड़ियों ने चुनौती पेश की। परफ़ेक्ट स्कोर के साथ बाकियों से आगे निकलते हुए भारत के वेलाम्मल एमएचएस स्कूल ने अपने सभी आठ मैच जीतकर स्वर्ण पदक जीता।

कनेडियन ओपन 2025: खाचानोव ने ज्वेरेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। रूस के 11वीं वरीयता प्राप्त टेनिस खिलाड़ी कारेन खाचानोव ने कनेडियन ओपन 2025 के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने बुधवार को एक रोमांचक मुकाबले में शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-3, 4-6, 7-6 (7/4) से हराया। खाचानोव ने तीसरे सेट के टाईब्रेक में 1-3 से पीछे होने के बावजूद शानदार वापसी की और जीत हासिल की। इस जीत के साथ खाचानोव अपने करियर के 11वें एटीपी फाइनल में पहुंच गए हैं, जहां उनका मुकाबला टेलर फ्रिट्ज या बेन शेल्टन से होगा। दोनों के बीच होने वाला ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल एक तकनीकी खामी की वजह से शुरू होने से पहले ही रोक दिया गया था। इलेक्ट्रॉनिक लाइन-कॉलिंग सिस्टम में समस्या आने के कारण मैच को टालना पड़ा। मैच के दौरान खाचानोव ने एक महत्वपूर्ण मैच प्वाइंट बचाया, जब तीसरे सेट में स्कोर 6-6 था और ज्वेरेव का बैकहैंड नेट में चला गया। लगभग तीन घंटे तक चले इस मुकाबले में ज्वेरेव ने 44 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि खाचानोव ने 29 विनर्स और 34 अनफोर्स्ड एरर के साथ संतुलित खेल दिखाया। जीत के बाद खाचानोव ने कहा, ''यह एक मानसिक और शारीरिक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण मैच था। मैंने खुद से कहा कि चाहे जो हो जाए, कोशिश करनी है और हार नहीं माननी है। टाईब्रेक में जब फाइनल तक बात पहुंच जाए, तो नकारात्मक सोच की कोई जगह नहीं होती। खाचानोव इस सीजन का अपना पहला फाइनल खेलेंगे। इससे पहले वह बार्सिलोना और हाले में सेमीफाइनल में हार गए थे।

परिधान निर्यात पर भारी अमेरिकी शुल्क छोटी कंपनियों के लिए मौत की घंटी जैसा: एईपीसी

नयी दिल्ली। परिधान निर्यातकों के संगठन एईपीसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन के भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने का फैसला सूक्ष्म और मध्यम उद्यमों के लिए बहुत बुरा है और खासकर अमेरिकी बाजार पर अत्यधिक निर्भर उद्यमों के लिए यह मौत की घंटी जैसा होगा। उद्योग निकाय ने सरकार से तत्काल वित्तीय सहायता की मांग भी की है। परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के चेयरमैन सुधीर सेखरी ने कहा कि यह घोषणा श्रम-प्रधान निर्यात उद्योग के लिए एक बड़ा झटका है। उन्होंने कहा, उद्योग इसे किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं कर सकता। मुझे यकीन है कि सरकार को भी यह एहसास है कि शुल्क में यह अनुचित वृद्धि सूक्ष्म और मध्यम परिधान उद्योग, खासकर उन उद्योगों के लिए मौत की घंटी जैसा होगा, जो मुख्य रूप से अमेरिकी बाजार पर निर्भर हैं।

मुकेश अंबानी को पांचवें साल कोई वेतन नहीं, उनके प्रवर्तक समूह को 3,600 करोड़ रुपये का लाभांश मिला

नयी दिल्ली। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी ने अपने समूह रिलायंस इंडस्ट्रीज से लगातार पांचवें साल कोई वेतन नहीं लिया और लाभांश उनकी आय का मुख्य स्रोत बना हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का कारोबार तेल से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र तक फैला हुआ है। अंबानी (68) ने वित्त वर्ष 2008-09 से 2019-20 तक अपने वार्षिक पारिश्रमिक को 15 करोड़ रुपये तक सीमित रखा था। उन्होंने कोविड-19 महामारी के बाद वित्त वर्ष 2020-21 से तब तक अपना वेतन छोड़ने का फैसला चुना, जब तक कि कंपनी और उसके सभी कारोबार पूरी तरह से अपनी आय क्षमता पर वापस नहीं आ जाते। कंपनी की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 2024-25 में उन्हें वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ के रूप में कोई राशि नहीं मिली। दुनिया के 18वें सबसे अमीर व्यक्ति, जिनकी कुल संपत्ति लगभग 100 अरब अमेरिकी डॉलर है, के लिए लाभांश आय ही आमदनी का स्रोत है। रिलायंस में उनके सीधे 1.61 करोड़ शेयर हैं। कंपनी द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए घोषित 5.50 रुपये प्रति शेयर लाभांश के आधार पर उन्हें 8.85 करोड़ रुपये की लाभांश आय मिलती है। जिन प्रवर्तक समूह की कंपनियों पर अंबानी का नियंत्रण है, उनमें उनके पास 664.5 करोड़ शेयर या 50.07 प्रतिशत शेयर हैं, जो 3,655 करोड़ रुपये की लाभांश आय देते हैं। अंबानी के चचेरे भाई निखिल और हितल मेसवानी का पारिश्रमिक 2023-24 में क्रमशः 25.31 करोड़ रुपये और 25.42 करोड़ रुपये था, जो 2024-25 में थोड़ा कम होकर 25 करोड़ रुपये रह गया।

अकासा एयर के तीन साल पूरे, कुछ वर्षों में दक्षेस और आसियान क्षेत्रों के लिए उड़ान की योजना

एजेंसी

नयी दिल्ली। तीन साल पुरानी अकासा एयर ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले कुछ वर्षों में दक्षेस और आसियान क्षेत्रों के लिए उड़ानें शुरू करेगी। इसके अलावा एयरलाइन नवी मुंबई और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों का लाभ उठाकर एक व्यापक नेटवर्क विकसित करेगी। अकासा एयर ने सात अगस्त, 2022 को परिचालन शुरू किया था और उसे उम्मीद है कि इस साल के अंत तक उसके बेड़े में 30 से ज्यादा विमान होंगे। इस समय एयरलाइन के पास 30 विमान हैं। अकासा एयर ने बृहस्पतिवार को बयान में कहा, एयरलाइन दिल्ली जैसे प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ाएगी और एक व्यापक नेटवर्क बनाने के लिए नवी मुंबई और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के बनने का लाभ उठाएगी। अकासा एयर ने यह भी कहा कि वह अगले कुछ वर्षों में सार्क और आसियान सहित नए क्षेत्रों में प्रवेश करके अपनी वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करेगी। भारत सहित आठ देश दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) का हिस्सा हैं। इनमें अन्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका हैं। दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) में 10 देश ऽ इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपीन, सिंगापुर, थाइलैंड, ब्रुनेई दारुस्सलाम, वियतनाम, लाओ पीडीआर, म्यांमा और कंबोडिया शामिल हैं।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 100 रुपये से 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये से लेकर 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 93,810 रुपये से लेकर 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,16,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,02,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,860 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,02,340 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,02,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,960 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की साई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

सीएम योगी का तोहफा, तीन दिन रोडवेज से नि:शुल्क सफर कर सकेंगी बहने : आरएम

- आठ से 10 अगस्त तक बहनों को रोडवेज में मुफ्त यात्रा
- सीएम योगी ने रक्षाबंधन पर महिलाओं को दिया तोहफा
- परिवहन विभाग व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निर्देशन पर रक्षाबंधन के अवसर पर हर बार की तरह इस बार भी बहनों को बड़ा तोहफा दिया जा रहा है। जिसके अंतर्गत तीन दिन आठ अगस्त सुबह छह बजे से 10 अगस्त मध्यरात्रि 12 बजे तक निःशुक्ल बस यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह जानकारी गुरुवार को रोडवेज के क्षेत्रीय प्रबंधक महेश कुमार ने दी। साल 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार बनने के बाद से ही रक्षाबंधन के मौके पर शासन की ओर से प्रदेश भर में मुफ्त यात्रा की घोषणा की गई थी। तब से लेकर अभी तक इस सुविधा का लाखों महिलाएं लाभ उठा चुकी हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के प्रमुख बस अड्डों से करीब एक हजार बसों का संचालन किया जाएगा। जिसे लेकर सभी चालकों एवं परिचालकों को बैठक कर व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं। शहर से सबसे ज्यादा दिल्ली, प्रयागराज, लखनऊ, आगरा, बिधूना आदि रूटों पर महिलाएं सफर करती हैं। इन प्रमुख मार्गों पर 24 घंटे बहनों को फ्री बस सेवा मिलेगी। साथ ही साथ उनको किसी तरह की असुविधा न हो इसके लिए अधिकतर रूटों पर महिला परिचालकों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही क्षेत्रीय प्रबंधक ने कानपुर मंडल के सभी अधिकारियों को बस स्टैंडों में अतिरिक्त बसें रिजर्व रखने के निर्देश दिए। ताकि यदि महिलाओं की संख्या बढ़ती है, तो रिजर्व बसों के फ़ेरे भी बढ़ाए जाएंगे। वही कानपुर शहर के लोकल एरिया के लिए भी इलेक्ट्रिक बेस और सीएनजी बसों में महिलाएं फ्री सफर कर सकेंगी। वहीं इस निःशुल्क सेवा को लेकर महिला यात्री कामिनी ने कहा कि इस सुविधा के पहले सबसे ज्यादा समस्या समय पर पहुंचने की होती थी। साथ ही बसों की कमी भी एक बड़ा कारण थी। लेकिन सीएम के आदेश के बाद बसों की संख्या में इजाफा करने और सेवाएं निःशुल्क करने से सीधा लाभ हम महिलाओं को मिला है। साथ ही तीन दिनों तक फ्री करने के चलते हम महिलाएं समय से यह त्योहार मनाकर अपने घर बिना किसी जद्दोजहद के आसानी से अपने गंतव्य को वापस लौट सकेंगी।

हर घर तिरंगा अभियान सफल बनाने को तैयारी तेज,तीन चरणों में किया जाएगा आयोजन

प्रयागराज। राष्ट्र प्रेम की भावना, स्वतंत्रा के प्रतीकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति सम्मान का भाव उजागर करने के लिए हर घर तिरंगा अभियान की तैयारी तेज कर दी गई है। यह जानकारी गुरूवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत तीन चरण निर्धारित किया गया है। पहले चरण 08 अगस्त और द्वितीय चरण 9 से 12 अगस्त एवं तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएगे। विभागवार लक्ष्य निर्धारित कर झण्डा कलेक्शन किया जाएगा है। इस आयोजन में स्वंय सहायता संगठनों, व्यापार मण्डल के पदाधिकारियों को भी सम्मिलित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक नागरिक को अपने घरों एवं स्कूल तथा सरकारी कार्यालयों में झण्डा सम्मान के साथ झण्डा संहिता का अनुपालन करते हुए लगाना है। झण्डा फहराते समय सदैव केसरिया रंग की पट्टी झण्डे के ऊपर की तरफ होनी चाहिए। झण्डे को यदि सरकारी अवसर पर फहराया जाता है तो सूर्योदय के उपरान्त ध्वजारोहण किया जाना चाहिये तथा सूर्यास्त के साथ सम्मान के साथ उतारना चाहिए। निजी आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर लगाये जाने वाले झण्डों को उसके बाद आदर भाव के साथ उतार कर रखा जाये। झण्डा उतारने के बाद किसी के भी द्वारा फेंका नहीं जायेगा उसे सम्मान के साथ फोल्ड करके रखा जाना चाहिए। किसी के घर पर झण्डा विधिवत् तरीके पर लगाया जाना चाहिए। आधा झुका, फटा या कटा झण्डा कदापि न लगाए। उन्होंने बताया कि झण्डे का आकार आयताकार होना चाहिए। इसकी लम्बाई एवं चौड़ाई का अनुपात 3:2 होना चाहिए। उदाहरणार्थ के लिए समझे यदि झण्डे की लम्बाई 3 फीट हो तो चौड़ाई 2 फीट होनी चाहिए।

बेबस जिंदगी पर सिस्टम की मार

कभी बेकसी ने मारा तो कभी बेबसी ने मारा। गिला मौत से नहीं है मुझे जिंदगी ने मारा।।

रामशंकर शुक्ला, राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। यह लाइन उस बच्चे पर सटीक बैठ रही है जो बचपन में अपने माता-पिता को खोया।बेबस और लाचार जिंदगी जीने को मजबूर । सरकारी सिस्टम में शिक्षा का अधिकार भी छीन लिया।

मामला है विकासखंड टड़ियावां के लहराई गांव का। अपनी बुआ के घर आश्रय ले रहे 8 वर्षीय विशाल क।विशाल जिला कन्नौज के चांदपुर गांव का निवासी है जैसा की विशाल के फूफा राममूर्ति तिवारी ने बताया की विशाल की माता तीसरे बच्चे को जन्म देने के बाद उनकी मौत हो गई ।माता की मौत के करीब 3 साल बाद पिता दिलीप की मौत हो गई। दिलीप अगिन्होत्री खेती-बाड़ी करते थे। गरीब परिवार था । खेती बेचकर पैसा बीमारी में खर्च कर दिया ।उसके बाद उनकी मौत हो गई। विशाल तीन भाई बहन हैं। बड़ी बहन सोनम 12 वर्ष भाई विष्णु 10वर्ष विशाल आब 8 वर्ष का है। सोनम और विष्णु कीदेखभाल उनके चाचा कृपा शंकर करते थे लेकिन पिछले वर्ष चाचा कृपा शंकर की मौत हो गई ।एक बार परिवार पर फिर संकट आ गया अब अपने ताऊ के पास रह रहे हैं। छोटा बेटा विशाल को मैं अपने साथ लहराई गांव ले आया। स्कूल न भेजे जाने पर सवाल पर बताया कि स्कूल में दाखिला कराने के लिए गांव के सरकारी स्कूल ले गया जहां पर एडमिशन के लिएआधार कार्ड की जरूरत पड़ी । कहा गया कि बिना आधार कार्ड के एडमिशन नहीं होगा।आधार कार्ड बनवाने का प्रयास किया इसमें मांगा गया जन्म कहां हुआ अस्पताल का सर्टिफिकेट जन्म प्रमाण पत्र ।तथा और तमाम सबूत मांगे हैं जो मैं उपलब्ध नहीं करापाया जिसके कारण आधार कार्ड नहीं बन सका। अब तक सरकार से कोई भी मदद नहीं मिली है। राम मूर्ति तिवारी भी इतने पढ़े-लिखे व जागरूक नहीं है। इनके पास बहुत कम खेती है तथा गरीब व्यक्ति हैं।गांव में पान की दुकान चला कर इनके परिवार का मुश्किल से भरण पोषणहो पता है। सरकार और समाज सेवियों से मदद की मांग की है।आखिरकार विशाल का भविष्य अंधकार में डूबा है जिसे ऐक भागीरथ की जरूरत है।

यमुना का जलस्तर घटा, लेकिन ग्रामीणों की मुश्किलें बरकरार

औरैया। यमुना नदी का रौद्र रूप अब धीरे-धीरे शांत हो रहा है और जलस्तर में गिरावट के साथ गांवों से पानी निकलना शुरू हो गया है, लेकिन ग्रामीणों की मुश्किलें अभी भी कम नहीं हुई हैं। बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब गांवों में कीचड़, जहरीले कीट, सांप-बिच्छू और संक्रमित वातावरण ने नई मुसीबतें खड़ी कर दी हैं। गांवों में फैले कीचड़ से उठती दुर्गंध और उसके कारण संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। कई घरों में जहरीले सांप, बिच्छू घुसने लगे हैं, वहीं लोमड़ी और सियार जैसे जंगली जानवरों के रिहायशी इलाकों में पहुंचने से ग्रामीणों में डर का माहौल है। बाढ़ के बाद फैलने वाली बीमारियों से बचाव के लिए अयाना सीएचसी के डॉक्टर सुशील शर्मा के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार गांवों में जाकर दवाइयां बांट रही हैं। साथ ही लोगों को साफ-सफाई और जहरीले कीटों से बचाव के उपाय भी समझाए जा रहे हैं।

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा जिला कार्य योजना की हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिजनौर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर ''हर घर तिरंगा अभियान'' को लेकर 'जिला कार्य योजना बैठक'' का आयोजन जिलाध्यक्ष भूपेंद्र चौहान बॉबी की अध्यक्षता तथा जिला उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजक दिनेश सैनी के संचालन में किया गया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री व जिला प्रभारी हरिओम शर्मा ने उपस्थित सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी को मिलकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाना है। साथ ही बताया कि 10 और 12 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाना है। कार्यक्रम में युवा मोर्चा व महिला मोर्चा की महत्वपूर्ण भूमिका होनी चाहिए और साथ में अधिक से अधिक जनमानस को साथ लेना है। यात्रा में हमारे सुरक्षाबलों एवं बलिदानियों के साथ-साथ रक्षा उपकरणों की प्रशंसा करते हुए प्ले कार्ड ले जाना है। प्रत्येक मंडल में युद्ध वीरों, शहीदों देश की सेवा में प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मीयो के घरों का दौरा कर उन्हें सम्मानित करना है। उन्होंने कहा कि 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम जुड़े स्मारक स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थान के आसपास स्वच्छता अभियान चलाना है। स्वास्थ्य अभियान के उपरांत सभी स्थानों पर पुष्पांजलि अर्पित करनी है। 13 से 15 अगस्त तक सभी घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराया जाना है। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री अनुप वाल्मीकि, हरजिंदर कौर, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, पूर्व विधायक डॉ इंद्रदेव सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ तेजपाल वर्मा, सुमन त्यागी, राजीव सिसोदिया, डॉ रचना पाल, जिला महामंत्री विनय राणा, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद चौहान, सुभाष चौहान, पुष्कर सिंह, पूनम गोयल, जिला मीडिया प्रभारी दीपक गर्ग व विक्रांत चौधरी, नगर अध्यक्ष अंकुर गौतम मंडल अध्यक्ष मनोज चौधरी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रोबिन चौधरी आदि उपस्थित रहे।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर

समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्कमुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com

प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशांतगंज लखनऊ,(उप्र)

विधान परिषद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के मतदेय स्थलों के सत्यापन की बैठक कलेक्ट्रेट में सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

जालौन। विधान परिषद इलाहाबाद-झांसी खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत स्थापित मतदान स्थलों के सत्यापन के संबंध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। बता दें कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के निर्देश एवं आयुक्त झांसी मण्डल के पत्र के क्रम में आहूत इस बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 33 मतदेय स्थल स्थापित हैं, जिन्हें 37 खण्डों में विभाजित किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुसार यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी मतदाता को मतदान के लिए अधिकतम 16 किलोमीटर की दूरी ही तय करनी पड़े। उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक न्यूनतम सुविधाएं (एएमएफ) जैसे पेयजल, शौचालय, रैम्प आदि की उपलब्धता की तहसीलवार समीक्षा उपजिलाधिकारियों के माध्यम से कराई गई है। इस दौरान माधौगढ़ तहसील के अंतर्गत प्राथमिक पाठशाला बंगरा भवन को जर्जर घोषित किए जाने पर भवन परिवर्तन का प्रस्ताव उपजिलाधिकारी माधौगढ़ की ओर से प्रस्तुत किया गया, जिसे बैठक में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि मतदेय स्थलों के सत्यापन की रिपोर्ट/आख्या आगामी 12 अगस्त 2025 तक आयुक्त झांसी मण्डल/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रेषित की जाएगी। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार, उप जिलाधिकारी उरई नेहा ब्याडवाल, नायब तहसीलदार कोच सादुल्लाह खान, प्रा. तहसीलदार जालौन तारा शुक्ला, तहसीलदार कालपी अभिनव तिवारी तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि – शांतिन्त स्वरूप (प्रभारी निर्वाचन, भाजपा), डॉ. मयंक तिवारी (प्रतिनिधि, एमएलसी राजेश कुमार, कंाग्रेस), डॉ. बृजेश जाटव (जिलाध्यक्ष, बीएसपी), विनय चौरसिया (जिलाध्यक्ष, आम आदमी पार्टी), एवं राजीव शर्मा (निर्वाचन प्रतिनिधि, समाजवादी पार्टी) उपस्थित रहे।

बीएचयू की बहनों ने बनाई वीर सैनिकों के लिए राखी रक्षाबंधन पर सीमा पर भेजेंगी प्रेम का संदेश

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के सामाजिक विज्ञान संकाय अंतर्गत ग्रामीण विकास केंद्र के सिलाई प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही ग्रामीण महिलाएं और युवतियां न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि देशसेवा की मिसाल भी पेश कर रही हैं। इस वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर इन बहनों ने सीमा पर तैनात वीर जवान भाइयों के लिए सैकड़ों सुंदर-सुंदर राखियां तैयार की हैं। यह राखियां उन सैनिकों को भेंट की जाएंगी जो देश की सेवा में अपने घर-परिवार से दूर रहते हुए भी हमारी रक्षा कर रहे हैं। ग्रामीण विकास केंद्र के समन्वयक प्रो. आलोक कुमार पांडेय ने बताया कि रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा के प्रतीक का पर्व है। लेकिन सीमाओं पर तैनात हमारे कई सैनिक भाई इस पर्व पर घर नहीं आ पाते। उनकी कलाई सूनी न रह जाए, इस उद्देश्य से केंद्र की महिलाओं ने रक्षा सूत्र तैयार किए हैं। उन्होंने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी केंद्र की महिलाएं पूरे उत्साह से इस अभियान में शामिल हुई हैं। केंद्र की महिलाएं प्रमुख पर्व और त्यौहार पर बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेती है और विविध आयोजन करती रहती है। केन्द्र की प्रशिक्षिका आरती विश्वकर्मा महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई और बुनाई जैसे हुनर सिखाकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि अब तक हजारों ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है, जिनमें से कई महिलाएं स्वयं के प्रशिक्षण केंद्र और सिलाई केंद्र चला रही हैं और अन्य महिलाओं को भी रोजगार दे रही हैं। वहीं, समन्वित ग्रामीण विकास केंद्र के परियोजना अधिकारी डॉ भूपेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त महिलाएं अपना खुद का केंद्र खोलकर चला रही है । और लोगों को भी प्रशिक्षित कर रही है। यहां प्रशिक्षण देने के साथ कार्य भी उपलब्ध कराया जाता है ।